RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 35 डिग्री
न्युनतम तापमान 27 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 36 डिग्री
न्युनतम तापमान 28 डिग्री

सोमवार 22 सितंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :10 बजे
सूर्यास्त सांय 18 : 18 बजे

www.khabariya.com
एनसीआर टुडे
करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 338 | गाजियाबाद, सोमवार 22 सितंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

स्वदेशी मंत्र बने आत्मनिर्भर भारत का आधार : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से स्वदेशी के मंत्र को आत्मनिर्भर भारत का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा है कि सभी लोगों को फिर से देश की मजबूती के लिए स्वदेशी वश्तुओं को अपनाना चाहिये।

श्री मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संदेश में कहा कि हर घर को 'मेड इन इंडिया' के गौरव का प्रतीक बनना चाहिए और स्वदेश में निर्मित वश्तुओं को हमारे स्वभाव का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने जीएसटी दरों में कमी, नियमों तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण को सरकार का इस दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे भारत का स्वर्णिम युग लौट आएगा जिससे देश के विकास को गति मिलेगी तथा विश्व मंच पर भारतीय वश्तुओं को नयी पहचान मिल सकेगी। श्री मोदी ने सूक्ष्म, लघु, और मध्यम उद्योगों(एमएसएमई) तथा घरेलू उद्योगों को देश के आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कुटीर उद्योगों के मजबूत होने से स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुत लाभ होगा। जीएसटी की नयी दरों से कुटीर उद्योगों को बहुत बड़ा फायदा होने वाला है, इससे उनकी बिक्री बढ़ेगी, उन्हें कम टैक्स देना पड़ेगा और उन्हें दोहरा

लाभ होगा।

प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के लिये सभी राज्यों से आह्वान करते हुये कहा 'आज मैं सभी राज्य सरकारों से अपील करता हूँ कि आत्मनिर्भर भारत अभियान और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ-साथ, आप अपने राज्यों में पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ विनिर्माण को गति दें और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाएं। आज जाने-अनजाने में, कई विदेशी उत्पाद हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बन गए हैं। हमें ऐसे उत्पाद खरीदने चाहिए जो मेड इन इंडिया हों, हमारे देश के युवाओं की मेहनत से बने हों—ऐसे उत्पाद जिनमें हमारे बेटे-बेटियों का पसीना लगा हो।'

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुँचने के लिए आत्मनिर्भरता के पथ पर चलने की ज़रूरत है और देश को आत्मनिर्भर बनाने की एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी हमारे एमएसएमई पर भी है। देश के लोगों को जो चाहिए, जो हम अपने देश में बना सकते हैं, वो हमें यहीं देश में बनाने चाहिए।

जीएसटी दरों में कमी और नियमों तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण से एमएसएमई, लघु उद्योगों और कुटीर उद्योगों पर असाधारण असर होने वाला है और उन्हें इसका कई तरह से लाभ मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने स्वदेशी को विकास के लिए एक मंत्र बताया और कहा 'जिस तरह स्वदेशी के मंत्र से देश की आज़ादी को बल मिला उसी तरह अब इससे देश की समृद्धि को भी बल मिलेगा।

नवरात्रि से देश में जीएसटी सुधार का नया दौर शुरू होगा

प्रधानमंत्री ने कहा है कि कल से पहले नवरात्रि की शुरूआत के बाद देश में जीएसटी सुधार का नया दौर शुरू हो जायेगा और इससे करोड़ों लोगों की बचत बढेगी जिससे वे अपनी पसंद की वश्तुयें खरीद सकेंगे।

श्री मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि कल से आम लोगों को फायदा होगा और जीएसटी दरों में कमी से कारोबार करने में आसानी होगी और विकास की इस दौड में देश का हर राज्य भागीदार बनेगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में सुधार का फायदा गरीब और मध्यम वर्ग को मिलेगा और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक नया कदम है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधार अगली पीढ़ी के सुधार हैं जिन्हें देश की जरूरतों के हिसाब से बनाया गया है। ये सुधार देश के विकास की कहानी को गति देंगे, व्यापार को आसान बनाएंगे। हम नागरिक देवो भवः के मंत्र से आगे बढ़ रहे हैं उसकी साफ़ झलक इन जीएसटी सुधारों में दिख रही है।

उन्होंने कहा कि यह समय आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ाने की तरफ है। उन्होंने कहा कि देश को मध्यम , लघु और लघु क्षेत्र (एसएमई) से बहुत ज्यादा उम्मीद है। भारत में निर्मित सामानों से अपने गौरव को वापस पाना है।

जीएसटी सुधार कल से लागू, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऐतिहासिक कदम : कैट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा है कि उनके मार्गदर्शन में अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार कल से पूरे देश में लागू होने जा रहे हैं।

ये सुधार स्वतंत्र भारत के सबसे क्रांतिकारी कर सुधारों में से एक हैं, जिनका उद्देश्य छोटे व्यापारियों को सशक्त करना, उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाना और देश की अर्थव्यवस्था को 10 ट्रिलियन डॉलर की दिशा में अग्रसर करना है। इन सुधारों से जहाँ देश के व्यापारी वर्ग को लाभ होगा, वहीं उपभोक्ताओं की बड़ी बचत भी होगी।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि इन सुधारों के तहत करीब 400 वश्तुओं को 12 एवं 18 प्रतिशत के कर स्लैब से हटाकर पांच प्रतिशत के कर स्लैब में लाया गया है वहीं 28 प्रतिशत के कर स्लैब को खत्म कर अधिकांश वश्तुओं को 18 प्रतिशत के कर स्लैब में लाया गया है। एक मोटे अनुमान के अनुसार इस साहसिक निर्णय से 15 से 20 प्रतिशत तक कीमतों में कमी आएगी, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा तथा निश्चित तौर पर वश्तुओं का उपभोग भी बढ़ेगा जिससे व्यापार में भी बड़ी वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि कैट ने देशभर के सभी व्यापारी संगठनों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि कीमतों में हुई इस कमी का लाभ उपभोक्ताओं तक अक्षरशः और भावनापूर्वक पहुँचे।

श्री खंडेलवाल ने कहा कि इन सुधारों की प्रमुख विशेषताओं में 'वन नेशन–वन टैक्स–वन सिम्प्लिसिटी': रिटर्न दाखिल करना और अनुपालन अब और आसान, तेज़ और परेशानी-मुक्त होगा।

राजदीप सरदेसाई को भारतीय मीडियाकर्मी पुरस्कार 2024-25 के लिए चुना गया

✷ वेबवार्ता. तिरुवनंतपुरत ✷। जाने-माने पत्रकार, लेखक और टेलीविजन एंकर राजदीप सरदेसाई को केरल मीडिया अकादमी द्वारा स्थापित सर्वोच्च सम्मान, भारतीय मीडियाकर्मी पुरस्कार 2024-25 के लिए चुना गया है। अकादमी के अध्यक्ष आर एस बाबू ने बताया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन 30 सितंबर को यहां अंतर्राष्ट्रीय केरल मीडिया महोत्सव 2025 के उद्घाटन समारोह में एक लाख रुपये की नकद राशि, एक प्रशश्ति पत्र और एक मूर्ति के साथ यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। वरिष्ठ पत्रकार थॉमस जैकब, मीडिया समीक्षक और पूर्व सांसद डॉ. सेबेस्टियन पॉल और शिक्षाविद डॉ. मीना टी. पिल्लई की तीन सदस्यीय जूरी ने सरदेसाई को इस सम्मान के लिए चुना। पिछले विजेताओं में एन राम, बरखा दत्त, करण थापर और रवीश कुमार जैसे दिग्गज शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने महालया के अवसर पर लोगों को बधाई दी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महालया के मौके पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और कामना की कि जैसे-जैसे दुर्गा पूजा के पवित्र दिन नजदीक आ रहे हैं, सभी का जीवन प्रकाश एवं उद्देश्य से भर जाए। श्रद्धालुओं का मानना है कि देवी दुर्गा का इसी दिन कैलाश पर्वत स्थित अपने निवास से पृथ्वी पर आगमन होता है। मोदी ने 'एक्स पर कहा, 'आप सभी को शुभ महालया की शुभकामनाएं! जैसे-जैसे दुर्गा पूजा के पवित्र दिन नजदीक आ रहे हैं, हमारा जीवन प्रकाश और उद्देश्य से भर जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि मां दुर्गा का दिव्य आशीर्वाद अटूट शक्ति, स्थायी आनंद और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करे।

उधमपुर में 110 सड़क कार्यों को मंजूरी, जितेंद्र सिंह ने जताया केंद्रीय मंत्री का आभार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत जम्मू-कश्मीर के उधमपुर लोकसभा क्षेत्र में 110 सड़क कार्यों को स्वीकृति दी है। इसके लिए केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया। जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने मेरे संसदीय क्षेत्र में 1955.65 करोड़ रुपए की लागत से 110 सड़क कार्यों को स्वीकृत किया। इससे 178 से अधिक बश्तियों को सड़क संपर्क और यात्रा में आसानी होगी। उन्होंने भविष्य में और कार्य करने का आश्वासन दिया।"

सेवा पखवाड़ा : देशभर में 'नमो युवा रन' का आयोजन, युवाओं में जोश और राष्ट्रभक्ति का संचार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर शुरू 'सेवा पखवाड़ा' के तहत देशभर में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रविवार को दिल्ली, हरियाणा और मध्य प्रदेश से लेकर गुजरात तक भाजपा शासित राज्यों में 'नमो युवा रन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी, भाजपा सांसद मनोज तिवारी, भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर और दिल्ली भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष सागर त्यागी ने हिस्सा लिया। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री राज भूषण और सांसद मनोज तिवारी ने 'नमो युवा दौड़' को हरी झंडी दिखाई। मुंबई में रविवार सुबह आयोजित 'नमो युवा रन' में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, अभिनेता मिलिंद सोमन, भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या और कई अन्य नेता शामिल हुए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'नमो युवा दौड़' को हरी झंडी दिखाई।

युद्धाभ्यास के बाद सैन्य चिकित्सा में भारत-अमेरिका आए साथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारत और अमेरिका, सेना से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में एक-दूसरे के सहयोगी हैं। दोनों देशों की सेनाओं ने हाल ही में संयुक्त सैन्य अभ्यास भी किए हैं। अब सैन्य क्षेत्र में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए भारतीय सशस्त्र बलों की चिकित्सा सेवा के वरिष्ठ अधिकारी, अमेरिकी सशस्त्र बलों की चिकित्सा सुविधाओं का अध्ययन करने अमेरिका पहुंचे हैं।

अमेरिका यात्रा के दौरान विशेष रूप से मरीन मेडिसिन तथा एविएशन मेडिसिन पर चर्चा की गई। मरीन मेडिसिन समुद्र में तैनात नौसैनिकों के लिए होती है। वहीं, एविएशन मेडिसिन एयरफोर्स से लेकर अंतरिक्ष यात्रियों व ऐसे ही अन्य मिशनों में तैनात विशेषज्ञों के लिए मददगार साबित होती है। भारतीय सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल, महानिदेशक व सर्जन वाइस एडमिरल डॉ. आरती सरीन के नेतृत्व में अमेरिका पहुंचा है।

भारतीय दल अमेरिकी सशस्त्र बलों की चिकित्सा सुविधाओं के अध्ययन दौरे पर होनोलूलू, हवाई में है। इस यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी रक्षा चिकित्सा अधिकारियों के साथ सैन्य स्टाफ श्तरीय वार्ता की है। इन वार्ताओं में सैन्य चिकित्सा, मरीन मेडिसिन तथा एविएशन मेडिसिन जैसे विशेष क्षेत्रों में अपनाई जा रही श्रेष्ठ प्रथाओं को साझा किया गया। साथ ही दोनों देशों के बीच होने वाले द्विपक्षीय सैन्य अभ्यासों में चिकित्सा सहयोग बढ़ाने के विषय पर भी विश्तार से चर्चा की गई।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सैन्य चिकित्सा प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। वहां उपलब्ध अत्याधुनिक चिकित्सा ढांचे, आपातकालीन चिकित्सा देखभाल, तथा सैनिकों की तैनाती के दौरान चिकित्सा प्रबंधन की व्यवस्था को गहराई से समझा है।

भारतीय टीम ने अपने अनुभवों और कार्यप्रणालियों को भी साझा किया, जिससे दोनों देशों के बीच इस क्षेत्र में आपसी समझ और विश्वास अधिक मजबूत हुआ है। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने माना कि भारत और अमेरिका के बीच रक्षा चिकित्सा क्षेत्र में सहयोग न केवल सैनिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए महत्त्वपूर्ण है, बल्कि यह रणनीतिक साझेदारी को भी नई दिशा प्रदान करता है।

रक्षा मंत्रालय ने इस दौरे को रक्षा चिकित्सा सहयोग को गहराई और व्यापकता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

गौरतलब है कि जहां एक ओर भारतीय सैन्य चिकित्सा दल अमेरिका में है, वहीं दूसरी तरफ हाल ही में भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच अलास्का में एक बड़ा सैन्य अभ्यास 'युद्ध अभ्यास 2025' संपन्न हुआ है। इस युद्धाभ्यास में इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, निगरानी, काउंटर-ड्रोन सिस्टम व अन्य मानव रहित हवाई प्रणालियों के इश्तेमाल और इनसे निपटने के तरीकों समेत आधुनिक युद्ध का अभ्यास किया गया।

इसके अंतर्गत दोनों सेनाओं ने पहाड़ी और उच्च हिमाच्छादित क्षेत्रों में प्रशिक्षण ऑपरेशन भी किए। अमेरिका में आयोजित यह युद्धाभ्यास इसी माह 14 सितंबर को संपन्न हुआ है।

पीएम पर अमर्यादित टिप्पणी से भड़के चिराग पासवान, ये राजद के माई-बहिन योजना की पहचान

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राजद नेता तेजस्वी यादव की जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह घटना राजद की ओछी मानसिकता को उजागर करती है, जिसे उनके शीर्ष नेतृत्व ने कभी गंभीरता से लिया ही नहीं। कहीं न कहीं ऐसे लोगों को मौन सहमति भी मिलती है।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के सांसद और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जब उनकी उपस्थिति में ही मुझे और मेरी मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इश्तेमाल किया गया था। उस वक्त यदि नेता प्रतिपक्ष ने अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को समझाया होता तो संभवतः पुनः आज प्रधानमंत्री की स्वर्गीय माता का इस तरीके से अपमान ना हुआ होता।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "ये राजद के माई-बहिन योजना की पहचान है। एक बार फिर राजद के राजनीतिक कार्यक्रम में पार्टी के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और शर्मनाक है।"

केंद्रीय मंत्री ने आगे लिखा, "यह घटना राजद की ओछी मानसिकता को उजागर करती है, जिसे उनके शीर्ष नेतृत्व ने कभी गंभीरता से लिया ही नहीं। कहीं न कहीं ऐसे लोगों को मौन सहमति भी मिलती है। ये कोई पहली बार नहीं, बल्कि लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी यही घटना घटी थी, जब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की उपस्थिति में ही मुझे और मेरी मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इश्तेमाल किया गया था।

नोएडा एयरपोर्ट से दीपावली के बाद शुरू हो सकती हैं कमर्शियल उड़ानें

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

जेवर स्थित निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें दीपावली के बाद शुरू होने की उम्मीद है। इस एयरपोर्ट के खुलने से दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों के लिए हवाई यातायात सुगम हो जाएगा।

साथ ही दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर यातायात का बोझ कम होगा। इस एयरपोर्ट का उद्घाटन 30 अक्टूबर को होगा, जबकि कमर्शियल उड़ानें दीपावली के बाद शुरू होंगी, जिससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हवाई संपर्क को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने हाल ही में पुष्टि की थी कि एयरपोर्ट का औपचारिक उद्घाटन अक्टूबर के अंत में होगा और समारोह के 45 दिनों के भीतर उड़ानें शुरू हो जाएंगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कहा है कि इस साल के अंत से पहले व्यावसायिक उड़ानें शुरू हो जाएंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण चार चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में, एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल का निर्माण पूरा हो चुका है, जिसकी सालाना क्षमता 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है। टेक्निकल इंस्टॉलेशन, फिनिशिंग टच और डीप क्लिनिंग जैसे प्रमुख कार्य वर्तमान में नोएडा एयरपोर्ट पर चल रहे हैं।

उड़ानें शुरू होने के बाद सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक ऑपरेशनल रेडीनेस एंड एयरपोर्ट ट्रांसफर (ओआरएटी) कार्यक्रम भी प्रगति पर है।

अधिकारियों ने बताया कि निर्माण और तैयारी की जांच पूरी होने के बाद, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) एयरपोर्ट को लाइसेंस जारी करेगा।

इस नियामक मंजूरी के बाद ही कमर्शियल ऑपरेशन शुरू हो सकेगा।

एयरपोर्ट के रनवे को कैट-III मानकों के अनुरूप डिज़ाइन किया गया है, जिसका अर्थ है कि यह घने सर्दियों के कोहरे जैसी कम दृश्यता वाली परिस्थितियों में भी उड़ानों को संचालित करने में सक्षम होगा जो उत्तर भारत के यात्रियों के लिए एक बड़ी राहत है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एनआईएएल) ने पहले ही इंडिगो को अपने लॉन्च वाहक के रूप में पुष्टि कर दी है।

अकासा एयर ने भी जेवर से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों उड़ानें संचालित करने की योजना की घोषणा की है, जबकि कई अन्य अंतरराष्ट्रीय वाहकों के साथ बातचीत चल रही है। मूल रूप से सितंबर 2024 में परिचालन शुरू करने वाली इस परियोजना में कोविड-19 महामारी के कारण देरी हुई। 2050 तक पूरा होने के बाद, एयरपोर्ट में छह रनवे होंगे और यह भारत का सबसे बड़ा विमानन केंद्र बन जाएगा।

लालू परिवार भ्रष्ट और सत्ता की लालसा में पूरी तरह डूबा हुआ : अजय आलोक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार की राजनीति में इन दिनों लालू प्रसाद यादव के परिवार में हलचल मची हुई है। राजद और परिवार से निष्कासित तेज प्रताप यादव के बाद अब बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर परिवार के कई सदस्यों को अनफॉलो कर नाराजगी जाहिर की है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा होने लगी है कि सत्ता की होड़ में यह परिवारिक कलह और गहरा सकती है। इस पर भाजपा नेता अजय आलोक ने लालू परिवार को भ्रष्ट और सत्ता की लालसा में डूबा हुआ बताया है।

भाजपा नेता ने कहा कि लालू परिवार सत्ता की लालसा में इतना डूबा हुआ है कि इसके सदस्य आपस में ही एक-दूसरे को नुकसान पहुंचा रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे चील के घोंसले में मजबूत बच्चा कमजोर को चोंच मार-मार कर मार देता है। उन्होंने कहा कि इस भ्रष्ट परिवार में एक रोहिणी बची थीं, जिनके ऊपर अभी तक कोई केस नहीं हुआ है, जो बेल पर नहीं हैं, बाकी सभी लोग बेल पर हैं।

पीएम मोदी के संबोधन पर उन्होंने कहा कि 22 सितंबर से नवरात्रि का पर्व शुरू हो रहा है। पूरा देश उत्सव के माहौल में डूबेगा और इस समय प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन एक बहुत सुखद अनुभव देश को देगा। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी इस त्योहार की खुशी में कुछ शहद डालेंगे।

भारत-पाकिश्तान के मैच पर उन्होंने कहा कि पाकिश्तान को हमेशा भारत ने घुटनों पर लाया है, हमारी टीम फिर से उनको घुटनों पर लेकर आएगी, इसमें कोई नई बात नहीं है। उन्होंने विपक्षी दल के मंच से शब्दों की मर्यादा का मान नहीं रखने पर कहा कि जिस राजनीतिक दल के चरित्र में गाली देना है, भ्रष्टाचार करना है, क्राइम करना है, उनके मंच से फिर से गाली दी गई है तो मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद नहीं करता हूं कि यह लोग माफी भी मांगेंगे। बस बिहार की जनता देख रही है।

फर्जी प्रमाण पत्र बनाने वाले छह गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना पालीमुकीमपुर क्षेत्र के दत्ताचोली बुजुर्ग के ग्राम पंचायत सचिव की आईडी से हैकर ने यूपी समेत 16 राज्यों के 597 लोगों के जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के मामले में छह हैकरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनमें से दो मध्य प्रदेश के हैं। अलीगढ़, बदायूं, लखनऊ व उन्नाव के चार आरोपी हैं।

अब उनके तार कहां-कहां जुड़े हैं, इसका पता लगाने के लिए एसएसपी ने एसआईटी गठित कर दी है।सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के 43 जिलों में 265, उसके बाद बिहार में 245 जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए गए। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश में छह, अरुणाचल प्रदेश में तीन, असम में 43, छत्तीसगढ़ में एक, दिल्ली में तीन, गुजरात में एक, चंडीगढ़ में आठ, पंजाब में चार, जम्मू एंड कश्मीर में दो, महाराष्ट्र में एक, मिजोरम में एक, त्रिपुरा में एक, झारखंड में एक, राजस्थान में एक अन्य में आठ प्रमाण पत्र बनाए गए।गिरफ्तार हुए हैकर्स में पालीमुकीमपुर के कासीमपुर नागरी निवासी सचिन कुमार, उन्नाव के बांगरमऊ क्षेत्र के मिस्त्रखेड़ा निवासी पंकज कुमार, बदायूं के उझानी के अडौली निवासी आशीष उर्फ आशू, मध्यप्रदेश के निवाड़ी जिले के बिजौर बागड़ निवासी दो भाई दशरथ व सूरज रजक और लखनऊ के मलिहाबाद के बीरपुर निवासी जय सुभाष हैं।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं होगा निस्तारण मिला आश्वासन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट की अध्यक्षता में शनिवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला सैनिक बन्धु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस, सेना, स्वास्थ्य, बैंक, सेवायोजन, समाज कल्याण एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ लगभग 65 पूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित मौजूद रहे।

बैठक में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों से कुल 15 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। एडीएम नगर ने सभी समस्याओं का शीघ्र निश्तारण कराने का आश्वासन देते हुए सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को प्रकरण प्रेषित किए। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी विंग कमांडर जितेन्द्र कुमार चौहान (सेवानिवृत्त) ने राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनपद के पूर्व सैनिक व उनके आश्रित किसी भी समय अपनी समस्याओं के समाधान हेतु कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

मिलावटखोरों पर कसा शिकंजा,नमूने किये संग्रहित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

आगामी नवरात्रि, कन्या पूजन एवं त्योहारी सीजन को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मिलावटी एवं अवमानक खाद्य पदार्थों पर प्रभावी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत जिले में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर दूध, छेना, पनीर, तेल, खोया, मिठाई एवं आटे के 19 नमूने संग्रहित किए गए।

सहायक आयुक्त (खाद्य) मंडलीय सहायक आयुक्त खाद्य मंडल के निर्देश पर चलाए गए, इस अभियान के दौरान बारहद्वारी, जवां, क्वार्सी, गभाना, अकराबाद, टप्पल, खैर, नौरंगाबाद क्षेत्रों के प्रतिष्ठानों से सैम्पल लेकर जांच के लिए भेजे गए।

कार्यवाही के दौरान 4400 किलोग्राम छेना व 2,60,000 रुपये मूल्य का संदिग्ध खाद्य पदार्थ सीज किया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों पर खाद्य सामग्री खरीदते समय सतर्क रहें, खुला एवं बिना ब्रांड का सामान न खरीदें और संदिग्ध खाद्य पदार्थ की जानकारी तुरंत विभाग को दें।

अधिवेशन में कार्यकारिणी का गठित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मंडल कार्यालय के अभिकर्ता प्रशिक्षण केंद्र में वेलफेयर एसोसिएशन का अधिवेशन संपन्न हुआ जिसमें अखिल भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति कल्याण संघ के राष्ट्रीय महासचिव केपी चौधरी एवं उत्तर मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष हरीश गौतम महासचिव शैलेंद्र कुमार भारतीय अनुसूचित जाति जनजाति संगठन के सचिव संगठन सुखारी राम और मेरठ , कानपुर एवं आगरा मंडल के पदाधिकारी उपस्थित हुए। अलीगढ़ मंडल के समश्त अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी अधिकारियों ने भाग लिया।

इस अधिवेशन में पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणीका गठन हुआ। जिसमें योगेश कुमार को अध्यक्ष एवं होरी लाल को महासचिव एवं अन्य सदस्यों का चयन हुआ केपी चौधरी ने अपने उद्बोधन में आज की ज्वलंत समस्याओं पर विचार रखें। इस मीटिंग में अलीगढ़ मंडल के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक अखिलेश कुमार अमन एवं विपणन प्रबंधक आईपी सिंह उपस्थित रहे मीटिंग का संचालन गिरीश कुमार सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक ने किया।

गुरुग्राम के लिए गैंगस्टर बने चुनौती

इनके विदेशी ठिकानों को खंगालने में जुटी पुलिस

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम सेक्टर-45 स्थित एमएनआर बिल्डमार्क के दफ्तर पर गुरुवार देर रात 30 गोलियां दागने के मामले में 48 घंटे बीत जाने के बाद भी शूटरों की पहचान नहीं हो पाई है। इस बीच, एसटीएफ गुरुग्राम की टीम विदेश में बैठे गैंगस्टर दीपक नांदल, गैंगस्टर सुनील सरधारनिया सहित अन्य लोगों की हिस्ट्री खंगालने में जुट गई है। उनके बारे में जानकारी जुटाना जा रही है।

बिल्डर दफ्तर पर हमले मामले में गुरुग्राम पुलिस की अपराध शाखा की टीमों के साथ एसटीएफ ने भी जांच शुरू कर दी है। जुलाई से सितंबर तक गुरुग्राम जिले में तीन फायरिंग की वारदात करवाने के बाद सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए गुरुग्राम पुलिस और एसटीएफ ने रणनीति बना ली है। सभी बदमाशों के बारे में सटीक जानकारी निकालने के बाद सभी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होगा। इसके अलावा उनकी सही लोकेशन के बारे जानकारी जुटा कर इंटरपोल की मदद से उनको विदेश से पकड़ कर भारत डिपोर्ट कर लाया जाएगा। वहीं, जरूरत पड़ने पर एक टीम वहां जाकर सभी जानकारी जुटाएगी।

कई देशों की मिली लोकेशन: पुलिस जांच में सामने आया कि विदेश में बैठे गैंगस्टर शूटर के दम पर कहीं पर कभी भी आसानी से वारदातों को अंजाम दिलवाने में माहिर है। ऐसे में दीपक नादंल,सुनील सरधारनिया और एक म्यूजिक कंपनी के मालिक की लोकेशन सबसे पहले दुबई में मिली। उसके बाद कनाडा और अमेरिका जैसे शहरों की लोकेशन मिली है। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वह फिलहाल कौन से देश और शहर में हैं। इनके बारे में सटिक जानकारी निकालने के लिए एसटीएफ की टीम जांच में जुटी हुई है। अभी तक की जांच टीमों को सामने आया है कि आरोपी गुमराह करने के लिए भी पुराने फोटो को नई लोकेशन के साथ अपने सोशल मीडिया अकाउंट को अपलोड करते हैं। इससे यह लगता है कि वह इस शहर और देश में है।

बिल्डर दफ्तर पर हमले मामले की जांच शुरू: बिल्डर के कार्यालय में गुरुवार देर रात को हुई फायरिंग से पहले शूटर ने रेकी की थी। उसके बाद देर रात सवा नौ बजे के लगभग वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए थे। इस मामले में जांच शुरू हो गई है। पुलिस की जांच से पता चला है कि इस घटना का संबंध भी एक पुराने वित्तीय विवाद से है। गैंगस्टर दीपक नांदल ने मुंबई में तलवार नाम के व्यक्ति के कहने पर 35 लाख रुपये का निवेश किया था।

50 से अधिक गैंगस्टर-बदमाश विदेश से चला रहे गैंग= जानकारी के अनुसार 50 से अधिक गैंगस्टर विदेशों से बैठकर अपने गुर्गों के माध्यम से वारदातों को अंजाम दिलवा रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, पंजाब और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय हैं। इनके निशाने पर अक्सर वे लोग होते हैं जिनसे उनका कोई वित्तीय विवाद होता है।

विदेश में बैठे गैंगस्टर गुरुग्राम पुलिस के लिए सिरदर्द बन गए हैं। पिछले दो महीनों में गैंगस्टरों ने तीन बड़ी वारदातों को अंजाम दिलवाया है। सूत्रों के अनुसार, इन सभी घटनाओं के पीछे गैंगस्टर दीपक नांदल का नाम सामने आ रहा है। आरोप है कि रुपयों के विवाद में फाजिलपुरिया पर फायरिंग करवाई। रोहित शौकीन की हत्या कराई। विदेश में बैठा एक और गैंगस्टर हिमांशु भाऊ भी चर्चा में है।

गोरखपुर में पशु तस्कर का हाफ एनकाउंटर

गोरखपुर, एजेंसी।
यूपी के गोरखपुर में नीट के छात्र दीपक की हत्या के बाद पशु तस्करों पर लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में रामपुर के रहने वाले पशु तस्कर को गोरखपुर की बालाघाट पुलिस ने शनिवार की देर रात में मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली मारकर गिरफ्तार किया। गो तस्करी के आरोपित बदमाश इमरान अली पर 25 हजार रुपये का इनाम था। पुलिस ने उसके पास से एक मोटरसाइकिल, अवैध तमंचा, एक खोखा कारतूस व एक जिंदा कारतूस बरामद किया। एसएसपी के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना बेलघाट पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान इमरान अली को दबोचा। आरोपित इमरान 3 नवंबर 2024 को पकड़े गए गोवंश तस्करी के मामले (मु.अ.सं. 260/24) में वांछित था। गिरफ्तार आरोपी इमरान रामपुर के अली खिजरपुर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। बदमाश के खिलाफ रामपुर व गोरखपुर जनपद में शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, गिरोहबंद अधिनियम, गोवध निवारण अधिनियम समेत हत्या के प्रयास (307) जैसी संगीन धाराओं में दर्ज 12 मुकदमे पंजीकृत हैं। उधर, मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र में युवक से मोबाइल लूटने की घटना का 24 घंटे में ही खुलासा हो गया। शुक्रवार को तीन लुटेरों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। बदमाशों से लूट का मोबाइल, तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। बीती गुरुवार रात तीन बदमाशों ने सोपरसाफ चौराहे के पास जाहिदपुर निवासी मनीष पुत्र विनोद से तमंचे की नोंक पर मोबाइल लूट लिया था। शुक्रवार रात पुलिस को सूचना मिली कि घटना में शामिल बदमाशों को लोहियानगर क्षेत्र में देखा गया है। पुलिस ने घेराबंदी कर नरहाड़ा निवासी नावेद, समद और आरिस को गिरफ्तार कर लिया।

हिमाचल: नैनादेवी मंदिर में नवरात्र मेले को लेकर तैयारी, स्पीकर समेत कई चीजों के इस्तेमाल पर लगी रोक

बिलासपुर, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में स्थित नैना देवी जी मंदिर परिसर में नवरात्र मेले के दौरान श्रद्धालुओं की आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी राहुल कुमार ने 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक निषेधाज्ञा लागू की है। इस बारे में जारी आदेश के अनुसार नैना देवी जी मेला अवधि के दौरान इलाके में लाउडस्पीकर, ड्रम, बैंड और अन्य ध्वनि-विस्तारक उपकरणों के इस्तेमाल पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा रहेगा। अगर कोई सार्वजनिक संदेश या घोषणा देनी होगी तो वह नियंत्रण कक्ष के जरिये प्रसारित की जाएगी। इसके अलावा मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार के चढ़ावे के उपयोग पर भी पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मेले के दौरान प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने और मंदिर परिसर में शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। यह आदेश 22 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 तक प्रभावी रहेगा।

इसी प्रकार, मेले के दौरान श्रद्धालुओं की भारी संख्या, कानून एवं व्यवस्था और जन सुरक्षा के मद्देनजर जिला मजिस्ट्रेट राहुल कुमार ने भारतीय दंड संहिता की धारा 144 के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए एक और निषेधाज्ञा जारी की है। आदेश के मुताबिक कोट कहलूर पुलिस थाना के अधिकार क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति को हथियार, गोला-बारूद, लंबी दूरी के हथियार, तेज धार वाले हथियार आदि ले जाना 22 सितंबर से दो अक्टूबर 2025 तक पूर्ण रूप से वर्जित रहेगा।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में अभाविप की शानदार जीत, नोटा से भी पीछे एनएसयूआई

हैदराबाद, एजेंसी।
दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के छात्र संघ चुनावों में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए सभी प्रमुख पदों पर जीत दर्ज की है। लंबे समय से वामपंथी और दलित छात्र संगठनों के प्रभाव में रही यूनिवर्सिटी में यह नतीजे एबीवीपी के लिए ऐतिहासिक माने जा रहे हैं।

एबीवीपी पैनल से शिवा पालेपू अध्यक्ष चुने गए हैं। उपाध्यक्ष पद देवेंद्र ने जीता, जबकि श्रुति महासचिव बनीं। संयुक्त सचिव का पद सौरभ शुक्ला को मिला, खेल सचिव ज्वाला प्रसाद और सांस्कृतिक सचिव का पद वीनस के नाम रहा। केवल पदाधिकारी ही नहीं, बल्कि काउंसलर और बोर्ड सदस्य पदों पर भी एबीवीपी ने बहुमत हासिल किया।

पिछले छह वर्षों से एचसीयू कैंपस में वामपंथी गुटों का वर्चस्व बना हुआ था। कांग्रेस से जुड़े एनएसयूआई और दलित संगठनों का गठजोड़ भी एबीवीपी के लिए चुनौती रहा। लेकिन इस बार नतीजे पूरी तरह से उलट गए। एबीवीपी प्रवक्ता अंतरिक्ष ने कहा, यह जीत छात्रों की राष्ट्रवादी सोच और विभाजनकारी राजनीति के खिलाफ एकजुट प्रयास का प्रतीक है। खासकर सोशल साइंस डिपार्टमेंट जैसे वामपंथी गढ़ों में जीत यह दिखाती है कि छात्र अब वैचारिक दबाव से मुक्त होना चाहते हैं।

एनएसयूआई की बड़ी हार: सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कांग्रेस से जुड़ा एनएसयूआई इस बार नोटा से भी कम वोट ला सका। यह तब हुआ है जब राज्य में कांग्रेस की सरकार है। हालांकि, एनएसयूआई का एचसीयू में कभी भी बड़ा आधार नहीं रहा, लेकिन वामपंथी संगठनों के साथ मिलकर वह हमेशा चुनावी समीकरण का हिस्सा रहा है।

एबीवीपी का कहना है कि संगठन ने कैंपस में शांति बनाए रखने, एचसीयू की जमीन की रक्षा करने और छात्र हितों को लेकर लगातार आंदोलनों में भाग लिया है। यही वजह है कि छात्रों का भरोसा इस बार बड़े पैमाने पर एबीवीपी के पक्ष में गया। एबीवीपी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, यह जीत एचसीयू के इतिहास में एक मील का पत्थर है, जिसने छात्र समुदाय के बीच एबीवीपी के प्रति बढ़ते विश्वास को साबित किया है।

राजीव गांधी के हत्यारे की विजय ने की तारीफ, कहा- ईलम तमिलों को दिया मां जैसा प्यार

नागपट्टिनम, एजेंसी।
अभिनेता से नेता बने एक्टर विजय ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मास्टरमाइंड प्रभाकरण की तारीफ कर विवाद खड़ा कर दिया है। देश में रहने वाले श्रीलंकाई तमिलों की आवाज उठाने को आवश्यकता पर जोर देते हुए विजय ने कहा कि लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम के पूर्व प्रमुख प्रभाकरण की तारीफ करते हुए उन्हें ईलम तमिलों के लिए मां समान बताया है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में श्रीलंकाई तमिलों का मुद्दा भावनात्मक रूप से महत्वपूर्ण है, जिस दौरान विजय यह भाषण दे रहे थे, जनता में लोग प्रभाकरण की तस्वीर लेकर भी खड़े हुए थे।

नागपट्टिनम में तमिझागा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीलंकाई तमिलों के लिए प्रभाकरण एक मां के समान है। स्पष्ट रूप से प्रभाकरण की बात करते हुए विजय ने कहा, हमारे नाभि-संबंधी रिश्तेदार, ईलम तमिल... चाहे वह श्रीलंका में हों या फिर दुनिया के किसी भी हिस्से में मौजूद हों... वह अपने एक ऐसे नेता को खोने के बाद दुखी हैं, जिसने उन्हें मां जैसा प्यार दिया है। आज उनकी आवाज को उठाना हमारा कर्तव्य है। हालांकि यह पहली बार नहीं है कि विजय ने श्रीलंकाई तमिलों के लिए विजय ने अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसके पहले भी वह 2008 में श्रीलंका में तमिल समुदाय के लोगों की हत्या के विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। उनकी तरफ से कहा गया था कि हम श्रीलंकाई तमिलों का समर्थन करते हैं, लेकिन यह भारत में प्रतिबंधित लिट्टे को समर्थन देने जैसा नहीं है। आपको बता दें श्रीलंका में स्वतंत्र तमिल राज्य को लेकर युद्ध लड़ने वाले लिट्टे चीफ प्रभाकरण और उसके खुफिया प्रमुख पोट्टू अम्मान ने 1991 में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या की साजिश रची थी। जानकारी के मुताबिक लिट्टे भारत के प्रधानमंत्री से 1987 में पीस कीपिंग फोर्स भेजने का बदला लेना चाहता था।

राजस्थान चपरासी भर्ती परीक्षा: अंडरगारमेंट में छुपाई स्मार्ट वॉच से पेपर की फोटो बाहर भेजी

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान ग्रेड फोर्थ (चपरासी) भर्ती परीक्षा में नकल का मामला सामने आया है। जयपुर पुलिस ने एक इंजीनियर को परीक्षा के दौरान स्मार्ट वॉच से प्रश्न पत्र बाहर भेजते हुए अरेस्ट किया। आरोपी ने न सिर्फ एग्जाम सेंटर में अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छुपाई थी, बल्कि वॉट्सऐप के जरिए पेपर की फोटो भी बाहर भेजी।

अशोक नगर थाना पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज की है और आरोपी के पास से स्मार्ट वॉच और मोबाइल जब्त किया गया। एसएचओ अशोक नगर किशन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी रवि झाझरिया (25) खंडेला, सीकर का निवासी है। रवि बीटेक पास है और मुरलीपुरा इलाके में आईएएस कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहता है।

परीक्षा के दौरान रवि की संदिग्ध हरकतें नजर में आईं। पहली पारी में वह एग्जाम सेंटर महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल, अशोक नगर, जयपुर आया और अंडरगारमेंट में स्मार्ट वॉच छुपाकर ले गया। सुबह करीब 10:30 बजे उसने स्मार्ट वॉच के कैमरे से प्रश्न पत्र की फोटो खींचकर वॉट्सऐप के जरिए बाहर भेज दी।

परीक्षा हॉल में उसकी हरकतें संदिग्ध लगीं, जिससे परीक्षा नियंत्रकों ने उसे तलाशी के लिए रोका। तलाशी में स्मार्ट वॉच मिलने पर मामले की पुष्टि हुई और पुलिस ने रवि को तुरंत गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही वॉट्सऐप पर पेपर भेजने के बारे में जांच करने के लिए उसके घर पर से मोबाइल भी जब्त किया गया। परीक्षा में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सभी अभ्यर्थियों के जूते उतरवाए गए, कलाई पर बंधे धागे और शर्ट के एक्स्ट्रा बटन हटा दिए गए। कानों में बाली और माला पहनकर आने वाले अभ्यर्थियों से भी ये सभी चीजें हटवाई गईं। बावजूद इसके रवि ने नकल के लिए स्मार्ट वॉच का सहारा लिया। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित ग्रेड फोर्थ भर्ती परीक्षा में प्रदेशभर से 8 लाख 22 हजार से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए।

संजय राउत का बड़ा दावा- महायुति के 90 प्रतिशत विधायक वोट चोरी से बने, जनता उन्हें ढूंढ रही

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने वोट चोरी के मुद्दे पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसे-ऐसे लोग चुनकर आए हैं जिनका कुछ अता-पता नहीं। लोग उन्हें ढूंढ रहे हैं कि कौन विधायक है। मीडिया से बातचीत में राउत ने शनिवार को कहा, ये लोग वोट चोरी से महाराष्ट्र में विधायक बन गए। एकनाथ शिंदे, अजित पवार या फिर बीजेपी के 90 फीसदी विधायक तो वोट चोरी बने हुए हैं। वे घपला करके बने हैं। इसलिए जनता को उनके नाम भी नहीं मालूम हैं।

संजय राउत ने कहा कि वे आकर धमकियां देते हैं तो देने दो। उन्होंने कहा, बीजेपी का अब यह कल्चर बन गया है। कोई जयंत पाटिल के पिता जी के बारे में बोलता है तो कोई मुझे गाली देता है। मैंने जो सवाल पूछा है उसका जवाब मिलना चाहिए। लोकतंत्र में आलोचना की जा रही है। राउत ने कहा कि घुसकर मारने की बात करोगे तो वापस नहीं जाओगे। दरअसल, महाराष्ट्र के भाजपा विधायक गोपीचंद पडलकर ने एनसीपी (एसपी) के नेता जयंत पाटिल और उनके माता-पिता के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी।

भाजपा विधायक पडलकर की टिप्पणी से विवाद

विपक्षी दल के अध्यक्ष शरद पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को फोन कर अपनी असहमति दर्ज कराई थी। पडलकर ने संबंधित टिप्पणी हाल में सांगली जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र जत में रैली के दौरान की थी। इससे उत्पन्न विवाद के बीच फडणवीस ने भी आपत्ति व्यक्त की और विधायक को संयम बरतने की सलाह दी। टिप्पणी के विरोध में एनसीपी (एसपी) ने पाटिल के निर्वाचन क्षेत्र सांगली के ईश्वरपुर व ठाणे में भी प्रदर्शन किया और पडलकर का पुतला जलाया। पाटिल हाल तक एनसीपी (एसपी) के प्रदेश प्रमुख थे और वह कई वर्षों तक मंत्री रहे हैं।

मानेसर के 20 वार्डों में खुलेंगे सीएफसी सेंटर

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम जिले का मानेसर नगर निगम अब अपने नागरिकों को उनके घर के पास ही निगम की सभी सेवाएं उपलब्ध कराने जा रहा है। निगम जल्द ही हर वार्ड में नागरिक सुविधा केंद्र (सीएफसी) स्थापित करेगा, जिससे लोगों को अपने काम के लिए निगम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस संबंध में एक प्रस्ताव अगले महीने होने वाली सदन की बैठक में रखा जाएगा। पार्षदों की मंजूरी के बाद इन केंद्रों पर काम शुरू हो जाएगा। इसको लेकर सभी वार्ड में एक-एक स्थान चिह्नित कर लिया गया है।

मानेसर निगम का गठन हुए पांच साल से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन अभी तक लोगों को अपने कार्यों के लिए निगम के अलग-अलग कार्यालय में चक्कर लगाने पड़ते हैं। लोगों की इस परेशानी को दूर करने के लिए नगर निगम ने सीएफसी केंद्र खोलने की योजना बनाई है।

ये सीएफसी केंद्र लोगों के लिए कई तरह के कामों को आसान बना देंगे। लोग अब अपने वार्ड में ही प्रॉपर्टी टैक्स जमा करवा सकेंगे। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने का काम भी यहीं से हो जाएगा। घरों और भवनों के नक्शे पास करवाने की प्रक्रिया भी इन केंद्रों से पूरी की जा सकेगी। इसके अलावा, निगम से जुड़े अन्य सभी छोटे-मोटे काम भी इन केंद्रों से हो सकेंगे। इस पहल का उद्देश्य निगम की सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल बनाना है। इससे समय की बचत होगी और लोगों को बेवजह की परेशानियों से भी मुक्ति मिलेगी।

निगम ने 20 वार्डों में सीएफसी केंद्र स्थापित करने के लिए जगह भी प्रस्तावित कर दी है। इनमें से एक वार्ड में पहले से ही सीएफसी केंद्र मौजूद है, जबकि बाकी 19 वार्डों में नए केंद्र खोले जाएंगे। गढ़ी, हरसरू, हयातपुर, कांकड़ौला, कासन, कुकडोला, खोह, लखनौला, बधां, सिकंदरपुर, रामपुरा, शिकोहपुर और नाहरपुर कासन जैसे गांवों में कम्युनिटी सेंटर या चौपालों में केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है। मानेसर में तीन अलग-अलग स्थानों पर केंद्र खोले जाएंगे, जिनमें एम1 सोसाइटी और वृद्ध आश्रम भी शामिल है। नौरंगपुर में एससी चौपाल में पहले से ही एक केंद्र संचालित है। इस कदम से निगम का कामकाज और भी व्यवस्थित होगा।

पेट्रोल पंप मैनेजर को मारी गोली, मालिक को घर छोड़कर लौट रहे थे, मेरठ रेफर

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷। कोतवाली क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप मैनेजर पर बाइक सवार बदमाशों ने गोली चला दी। घटना देर रात बाईपास रोड पर हुई। मंडावर थाना क्षेत्र के रतनपुरी गांव निवासी योगेंद्र शर्मा बालावाली स्थित पेट्रोल पंप से अपने मालिक अमोक दीक्षित को बिजनौर में उनके घर छोड़ने गए थे। वापसी में मर्सी हॉस्पिटल के पास बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों ने योगेंद्र के पेट में गोली मार दी। घायल योगेंद्र को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें मेरठ रेफर कर दिया। घायल की पत्नी वर्षा की शिकायत पर पुलिस ने गांव के तरुण और मंगल समेत एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शहर कोतवाल धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करने का दावा कर रही है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। बिसरख कोतवाली क्षेत्र में शनिवार दोपहर सड़क हादसे में स्कूटी सवार की मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने केस दर्ज कराया है। अमरोहा निवासी नीतू पाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति भगवंत सिंह गाजियाबाद के हरिनगर में किराये पर रह रहे थे। 20 सितंबर की दोपहर करीब 2:30 बजे स्कूटी से नोएडा जा रहे थे। जैसे ही वह एस्टर चौकी के सामने पहुंचे तभी पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच की जा रही है कि स्कूटी सवार ने हेलमेट लगाया था या नहीं।

चोरी के आरोप में तीन युवतियों पर प्राथमिकी हुई दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷। महिला के घर में बतौर किरायेदार रह रहीं तीन युवतियों पर चोरी का आरोप लगाकर केस दर्ज करवाया गया है। आरोप यह भी है कि महिला ने एक कमरा किराये पर दिया था, इन तीनों ने दूसरा भी कब्जा कर लिया। विरोध करने पर आरोपित युवतियां अगले दिन अलमारी से कीमती सामान व दस्तावेज चोरी कर ले गईं। सेक्टर-24 थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक यह केस सरला अग्रवाल की शिकायत पर दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी विद्युत गोयल ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर भावना, खुशी व खुशबू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

नांगल जट इंटर कॉलेज में जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. झालू ✷। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेत प्रताप सिंह व ब्लॉक प्रमुख वीरेन्द्र सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष झालू लोकेंद्र चौधरी ने संयुक्त रूप से प्रतियोगीता का किया उद्घाटन।विदित हो कि ग्राम नांगल जट इंटर कॉलेज में जिला शतरीय माध्यमिक विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आदरणीय साकेत प्रताप सिंह ब्लॉक प्रमुख हल्दौर वीरेन्द्र सिंह, लोकेंद्र चौधरी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर नांगल जट कॉलेज के अध्यक्ष चौधरी राजेश बाबू, प्रबंधक श्रीमान अनिल कुमार जी, समशत कॉलेज स्टाफ, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य श्रीमती चारु, संजीव सेठ एवं अनुराग जोशी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आवारा कुत्तों और बंदरों को पकड़वाने को अंबेडकर समाज पार्टी के ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। आवारा कुत्तों और बंदरों के कस्बे में बढ़ते आतंक के बीच आसपा नेता व जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष परवेज़ पाशी ने आबादी को निजात दिलाने की मांग को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आवारा कुत्तों और बंदरों के नगीना कस्बे में बढ़ते आतंक के बीच आसपा नेता व जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष परवेज़ पाशी ने आबादी को निजात दिलाने की मांग को लेकर एसडीएम नितिन कुमार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि नगर में काफी संख्या में आवारा पशु जैसे कुत्ते, बन्दर व गौवंश घूम रहे है जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुये आवारा पशुओं को पकड़वाने व नगर पालिका को इस सम्बन्ध में निर्देशित करने की मांग की है।

अखिलेश को मुख्यमंत्री बनना ही मकसद, शमशाद रशीद

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। तहसील के ग्राम खुशहालपुर दीवान में रामसुंदर पाल के घर पर समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव शमशाद,रशीद लोगों की समस्याएं सुनी और उनका हाल-चाल जाना शमशाद राशिद ने कहा अभी चुनाव में बहुत वक्त है लेकिन मैं आपका हाल-चाल जाने वक़्त से पहले आ गया हूं मेरी आप लोगों से अपील है कि आप आने वाले 2027 में समाजवादी पार्टी को जिताकर श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएं जिससे उत्तर प्रदेश का विकास हो सके और आपके बच्चों का मुश्तकबिल खुशहाल हो भारतीय जनता पार्टी की सरकार में हर वर्ग परेशान है इन्होंने हम को यानी हिंदू मुस्लिम को आपस में भेदभाव पैदा करके सिर्फ वोट लेकर राज करने का काम किया है। इनका हटाना बहुत जरूरी है वरना पूरा देश इसका इसका नुकसान उठेगा ग्राम वासियों ने शमशाद राशिद की बात का समर्थन किया वहां पर मौजूद जोगिंदर सिंह, धर्मपाल सिंह, घनश्याम सिंह, दिलशाद, अकरम, नोहर सिंह, जखौर रहमान व तमाम लोगों उपस्थित रहे।

रामलीला कमेटी के फैसले पर उठी भौंह

✷ एनसीआर टुडे. झालू/बिजनौर ✷। नगर की श्रीरामलीला नाटक समिति ने कार्यकारिणी का गठन कर मंचन की तैयारियाँ जोरों पर हैं।, पर इस बार चर्चा मंचन से ज्यादा आमंत्रण सूची को लेकर है। समिति ने मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट ऐश्वर्य मौसम चौधरी को बुलाने का फैसला लिया है।, लेकिन नगर पंचायत अध्यक्ष को आमंत्रण देना भी गवारा नहीं समझा।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार इनामिया बलराम ठाकुर ढेर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार शाम एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी और अनिल दुजाना गैंग के सक्रिय सदस्य बलराम ठाकुर को मुठभेड़ में मार गिराया।

बलराम ठाकुर पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। दो दिन पहले उसने गाजियाबाद में मदन स्वीट्स और एक लोहे के कारोबारी से लाखों रुपये की रंगदारी मांगी थी, जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई थी।

मुठभेड़ वेव सिटी थाना क्षेत्र के अंडरपास पर हुई। पुलिस के अनुसार, बलराम ने पुलिस को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस कार्रवाई में एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह और क्राइम ब्रांच स्वॉट टीम प्रभारी अनिल राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अहम भूमिका निभाई।

पुलिस कमिश्नर जे. रविंदर गौड़ ने इस कार्रवाई को कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उनके कार्यकाल का यह पहला बड़ा पूर्ण मुठभेड़ माना जा रहा है।

उन्होंने कहा, 'जिले में अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। हमारी प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा और अपराधमुक्त समाज सुनिश्चित करना है।'

बलराम ठाकुर का आपराधिक इतिहास

बलराम ठाकुर लंबे समय से पुलिस की रडार पर था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, और रंगदारी जैसे कई संगीन मामले दर्ज थे। अनिल दुजाना गैंग का सक्रिय सदस्य होने के नाते वह गाजियाबाद और आसपास के क्षेत्रों में अपराध की कई वारदातों में शामिल था। पुलिस ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष टीमें गठित की थीं, जिसके परिणामस्वरूप यह मुठभेड़ हुई।

पुलिस की रणनीति और भविष्य की योजना एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने बताया कि बलराम ठाकुर की तलाश लंबे समय से की जा रही थी। क्राइम ब्रांच और स्वॉट टीम ने मिलकर इस ऑपरेशन को अंजाम दिया।

पुलिस ने जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने की बात दोहराई है। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई की सराहना की है और इसे अपराधियों के लिए कड़ा संदेश माना है।

गाजियाबाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि वह शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

नहटौर पुलिस का अजीब कारनामा

इक्कीस साल पहले मरे किसान पर कर दी शान्ति भंग की कार्यवाही

भाकियू नेताओं ने किसानो के साथ थाने पर किया विरोध प्रदर्शन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

21 वर्ष पूर्व मृत्यु के बाद पुलिस द्वारा 107/16 में कार्रवाई करने व मोटरसाइकिलों के चोरी के मामले को एक महीने से अधिक का समय बीत जाने से गुस्साए भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने थाना परिसर में अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया। यूनियन के लोगों ने पुलिस की कार्यशाली पर सवाल उठाएं।

रविवार को करीब 12 बजे भारतीय किसान यूनियन टिकैत के ब्लॉक अध्यक्ष मुनेश अहलावत व भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष रिंकू राठी, रोहित राणा, तहसील अध्यक्ष कविराज, देवेंद्र सिंह, नीतू चौधरी, अमित चौधरी, पुनीत तुष्यार, नईम अहमद, अयूब अहमद, दिलशाद अहमद, राजेंद्र सिंह सहित दर्जनों लोग थाने पहुंचे और उन्होंने तीन मोटरसाइकिल के चोरी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी उनकी बरामदगी न होने से सुग्ध होकर ब्लॉक अध्यक्ष मुनेश अहलावत के नेतृत्व में थाना परिषद में मोटरसाइकिलों बरामदगी की मांग को लेकर थाने में ही धरना प्रदर्शन प्रारंभ कर दिया।

किसान नेता पुनीत तुषार ने बताया कि उनके पिता वीरेंद्र सिंह पुत्र अमन सिंह निवासी ग्राम फुलसन्दी का करीब 21 वर्ष पूर्व निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि हाल ही में पुलिस ने उनके खिलाफ 107/16 की कार्यवाही की है, जो की पूर्ण रूप से गलत है। उन्होंने पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को तुरंत समाप्त करने की मांग की।

पुलिस के समझाने के बावजूद भी यूनियन के लोग नहीं माने और उन्होंने पुलिस की कार्यवाही पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतना समय बीतने के बाद भी पुलिस अभी तक मोटरसाइकिलों का पता नहीं लगा सकी।

उन्होने कहा कि जब तक पुलिस उन्हे जल्द ही मोटरसाइकिलों के बरामदगी का अश्वशन नही देती, उनका धरना जारी रहेगा। धरने की सूचना पर पहुंचे सीओ धामपुर ने किसानो की सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनने के बाद उन्हें जल्द से जल्द सभी समस्याओं को निश्तारण का आश्वासन दिया। जिस पर किसान यूनियन में अपना धरना समाप्त कर दिया।

SDO पर हमला, अपहरण के प्रयास का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

विद्युत विभाग के एसडीओ के साथ दो गाड़ी में आए आधा दर्जन से अधिक

युवकों ने मारपीट कर अपहरण करने का प्रयास किया। एसडीओ ने विधुत उच्चाधिकारियों व कर्मचारियों के साथ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

शनिवार की शाम के समय करीब साढ़े तीन बजे उपखंड अधिकारी विद्युत विवेक कुमार विश्वकर्मा नहटौर स्थित अपने कार्यालय पर कार्य कर रहे थे। आरोप है कि दो गाड़ियों में सवार होकर आए साथ आठ लोगों ने एसडीओ के साथ मारपीट की और गाड़ी में डालकर अपहरण करने का प्रयास किया।

एसडीओ ने यह भी आरोप लगाया कि उक्त लोगो मे से दो लोगों के हाथों में तमंचा भी था। एसडीओ के अनुसार अपहरण का विरोध करने पर उक्त युवकों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जिस पर उन्होंने शोर मचा दिया।

शोर की आवाज सुन अन्य विद्युत कर्मियों को आता देख आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। मारपीट में एसडीओ घायल हो गये। एसडीओ ने यह भी बताया कि बृहस्पतिवार को विजिलेंस के द्वारा ग्राम नवादा चौहान में हुई छापेमारी के दौरान अंकित पुत्र भूदेव सिंह के विरुद्ध विद्युत चोरी पाए जाने पर रिपोर्ट दर्ज की गई।

अखिल भारतीय किसान सभा का मंडल सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

युवा पीढ़ी को मिलकर देश, संविधान को बचाना होगा : रामपाल सिंह

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

अखिल भारतीय किसान सभा का मंडल सम्मेलन आज स्थानीय एमक्यू इंटर कॉलेज में कामरेड इन्द्र कुमार शर्मा की अध्यक्षता और मौ. इकराम के सफल संचालन में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में माननीय रामपाल सिंह और ज़िला मंत्री विजेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

सम्मेलन में पिछले तीन वर्षों से किए गए कार्यों, धरना प्रदर्शनों की रिपोर्ट मंडल मंत्री एडवोकेट इसरार अली ने पेश की और बताया कि स्योहारा में बिजली, पानी, शिक्षा और बढ़े हुए टैक्स आदि सभी मुद्दों पर किसान सभा ने संघर्ष किया है पब्लिक हितों के लिए ज्ञापन पत्र दिए हैं और नगरपालिका, बिजली विभाग और ब्लाक आदि पर धरना प्रदर्शन किए गए हैं।

अखिल भारतीय किसान सभा के ज़िला मंत्री विजेन्द्र सिंह ने किसानों की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि योगी की पुलिस किसानों का सम्मान नहीं अपमान कर रही है। किसान महिलाओं को लाइनों में लगाया गया है। पहले मदरसों को आतंकवाद की शिक्षा देने वाला बताकर उनको बंद किया गया तो हिंदू भक्त खुश हो रहे थे अब सरकारी स्कूलों को बंद किया जा रहा है अब वे भक्त चुप हैं।

कृषि प्रधान देश को इन्होंने उघोगपतियों के हाथों की बपौती बना दिया है और देश के करोड़ों लोगों को पांच किलो राशन की लाइन में लगाकर खुद को विश्व गुरु कहते फिर रहे हैं। मुख्य अतिथि, लोकतंत्र प्रहरी कामरेड रामपाल सिंह ने किसानों की दयनीय स्थिति पर मोदी और योगी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसानों की आर्थिक स्थिति बद से बद्तर हुई है,बेरोज़गारी, साम्प्रदायिकता और अपराधों में बढ़ोतरी हुई है, संविधान को ख़त्म करने की दिशा में बढ़ा जा रहा है। देश में साम्प्रदायिक बंटवारे की और नफ़रत फैलाने की कोशिश हो रही है। हिंदू मुस्लिम के बीच बड़ी दीवार खड़ी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज हम सब को देश के लोकतंत्र,एकता,अखण्डता और भाईचारे को बचाने की ज़रूरत है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान मोदी सरकार अपने कार्यों से बता रही है कि वह जनता की नहीं बल्कि पूंजीपतियों की सरकार है। ग़रीब का पैसा अमीर की जेब में जा रहा है। देश की आमदनी और दौलत सिर्फ़ कुछ प्रतिशत के पास है और वहीं पहुंच रहा है। अब देश के 80 करोड़ लोगों को पांच किलो राशन की लाइन में खड़ा करना ये बहुत बड़ा मज़ाक़ है।

मोदी जी ने लोकतंत्र में राजदंड स्थापित करके अपनी राजशाही को साबित किया है। देश को बचाना है,लोकतंत्र और संविधान को बचाना है देश की धर्मनिरपेक्षता को बचाना है, अन्यथा ये देश भी टूट जाएगा।

कामरेड फरीद, कन्हैया सिंह, दौलत सिंह, ने भी अपने विचार प्रकट किए और किसानों की दशा और सरकार के रवैए पर रोष जताया।

आगामी वर्षों के लिए गठित मंडल कमेटी में इसरार अली (मंत्री) इन्द्र कुमार शर्मा (अध्यक्ष), मोहम्मद इकराम (उपाध्यक्ष), कन्हैया सिंह (उपमंत्री), दौलत सिंह (कोषाध्यक्ष), वकील अहमद, राजवीर सिंह, चतरपाल सिंह, मोहम्मद तैयब, ज़रीफ अहमद, मोहम्मद जाबिर, ख़लील अहमद, मोहम्मद आरिफ, मतलूब जलील, एएच क़ादरी का चयन हुआ। सभी की सहमति रही।

मुख्य अतिथि और आयोजकों ने अच्छी पत्रकारिता और स्थानीय पत्रकारों की कार्य शैली की प्रशंसा करने के साथ साथ वरिष्ठ पत्रकार अनवार अहमद नूर, नसीम अहमद और दानिश ख़ान को विशेष रूप से सम्मानित किया।

सन सिटी हाईटेक टाउनशिप पर किसानों का हल्लाबोल, परियोजना ठप करने की चेतावनी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

डासना में 'सन सिटी हाईटेक टाउनशिप' परियोजना के खिलाफ किसानों का गुस्सा फूट पड़ा है। डासना, इकला, गुर्जर गढ़ी, भड़गढ़ी, नायफल, कुडिया गढ़ी, रघुनाथपुर, बयाना और काजीपुरा सहित कई गांवों के हजारों किसानों ने एक विशाल पंचायत का आयोजन कर अपनी मांगों को पूरा न होने पर परियोजना को ठप करने की चेतावनी दी है।

किसानों के आरोप और प्रमुख मांगें

किसानों ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) पर आरोप लगाया है कि वह बार-बार परियोजना के डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में बदलाव कर बिल्डरों को लाभ पहुंचा रहा है, जबकि किसानों की आपत्तियों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उनका कहना है कि उनकी जमीनें अधिग्रहीत कर ली गईं, लेकिन उनसे किए गए वादे पूरे नहीं किए गए।

प्रशासन और किसानों के बीच गतिरोध

पंचायत का संचालन विजयपाल मुखिया ने किया और अध्यक्षता टेकन यादव ने की। पंचायत में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि अगर उनकी मांगों पर त्रिशतरीय वार्ता के बाद कोई समाधान नहीं निकलता है, तो वे परियोजना का पुरजोर विरोध करेंगे। किसान नेताओं ने चेतावनी दी है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करेंगे, लेकिन अपने हक के लिए पीछे नहीं हटेंगे। दूसरी ओर, जीडीए अधिकारियों ने कहा है कि वे किसानों की मांगों पर विचार कर रहे हैं और जल्द ही वार्ता के लिए तैयार हैं। हालांकि, किसान संगठनों ने यह साफ कर दिया है कि अगर जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन और भी तेज होगा।

किसानों की प्रमुख मांगें हैं:

करार करने वाले किसानों को 10% विकसित प्लॉट दिए जाएं।

भूमिहीन परिवारों को 120 वर्ग मीटर के प्लॉट दिए जाएं।

जिन किसानों की जमीन बची है, उन्हें चार गुना मुआवजा दिया जाए।

परियोजना से प्रभावित गांवों का शहर की तर्ज पर विकास किया जाए।

दो वाहन चोर मुठभेड़ में गिरफ्तार फॉर्च्यूनर और स्विफ्ट कार बरामद

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में रविवार सुबह पुलिस ने एक मुठभेड़ में अंतर्राज्यीय वाहन चोर गिरोह के दो शातिर सदस्यों, मुजाहिद अल्वी और राशिद काला, को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की एक फॉर्च्यूनर लीजेंडर कार और एक स्विफ्ट कार बरामद की। मुठभेड़ के दौरान राशिद काला पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से घायल हो गया और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जुलाई 2025 में वसुंधरा सेक्टर-03 के रासा होटल के पास से चोरी हुई फॉर्च्यूनर लीजेंडर कार और एक बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार के साथ दो चोर हिण्डन वसुंधरा सेक्टर-01 से दिल्ली की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर इंदिरापुरम पुलिस ने वसुंधरा सेक्टर-01 टी-पॉइंट पर चेकिंग शुरू की। तभी दो कारें आती दिखीं, जिनमें एक फॉर्च्यूनर और एक सफेद स्विफ्ट थी।

पुलिस के रुकने के इशारे को नजरअंदाज कर दोनों कारें तेज गति से बैरियर तोड़कर वसुंधरा सेक्टर-02ए ग्राउंड की ओर भागने लगीं। पीछा करने पर फॉर्च्यूनर के चालक राशिद काला ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। राश्ता बंद होने पर दोनों अभियुक्त कार से उतरकर भागने लगे।

राशिद ने दोबारा पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस की आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में राशिद के पैर में गोली लगी। उसे घायल अवस्था में हिरासत में लिया गया और अस्पताल भेजा गया। दूसरे अभियुक्त, मुजाहिद अल्वी, को पुलिस ने घेरकर गिरफ्तार किया।

सीओ अभिषेक श्रीवाश्तव ने बताया कि पूछताछ में अभियुक्तों ने कबूल किया कि उन्होंने जुलाई 2025 में रासा होटल के पास से फॉर्च्यूनर लीजेंडर और दो-तीन दिन पहले दिल्ली के विकासपुरी से स्विफ्ट कार चोरी की थी। दोनों चोरी की कारों को सुरक्षित स्थान पर ले जा रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। अभियुक्तों ने बताया कि वे चोरी की कारों को अन्य राज्यों में बेचते थे।

पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ वाहन चोरी, अवैध हथियार रखने और पुलिस पर हमले के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। बरामद कारों की जांच की जा रही है ताकि अन्य चोरी की घटनाओं से उनका संबंध पता लगाया जा सके। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह अंतर्राज्यीय श्तर पर सक्रिय था और इसके अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।

गाजियाबाद पुलिस की इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों ने सराहा है। पुलिस ने कहा कि जिले में वाहन चोरी और अन्य अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

अवैध संबंधों के शक में पति ने पत्नी का गला रेतकर की हत्या, गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा के थाना दादरी क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में रहने वाले एक व्यक्ति ने अवैध संबंधों के शक में रविवार को चाकू से गला काटकर पत्नी की हत्या कर दी।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। इसलिए उसने उसकी हत्या की है। पुलिस ने मृतका के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार थाना दादरी क्षेत्र के रामपुर फतेहपुर गांव में किराए पर रहने वाले सोनू शर्मा पुत्र बालकृष्ण शर्मा उम्र 36 वर्ष ने अपनी पत्नी चंचल शर्मा उम्र 28 वर्ष की चाकू से गला काटकर आज हत्या कर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आज सुबह को पुलिस को घटना की सूचना मिली।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने महिला के पति सोनू शर्मा को हिरासत में लिया है।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान महिला की हत्या के आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी के किसी और से अवैध संबंध थे। इस वजह से वह उसके चरित्र पर शक करता था।

इसी बात को लेकर आरोपी की उसकी पत्नी से बहस हुई तथा उसने चाकू से गोदकर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने बताया कि मृतका की 8 वर्ष पूर्व शादी हुई थी। उन्होंने बताया कि फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है। मृतका के परिजनों को सूचित किया गया है।

वहीं थाना पुलिस द्वारा की गई जांच में पता चला है कि आरोपी के परिवार में सात साल की बेटी और पांच साल का एक बेटा हैं। आरोपी सोनू ग्रेटर नोएडा स्थित एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। पिछले कुछ दिनों से उसकी नौकरी छूट गई थी। इस समय वह मेले एवं पैंठ में काम करता था।

सोनू को शक था कि पत्नी चंचल के किसी दूसरे व्यक्ति से संबंध हैं। इसको लेकर उनके बीच कई बार कहासुनी भी हुई थी। रविवार देर रात को सोनू ने चंचल की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। महिला की हत्या की सूचन पाकर आसपड़ोस के लोगों में हड़कंप मच गया।

योगी राज में भूख से तड़प तड़प कर मर रही गौमाता

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

गौशाला में आए दिन भूख से तड़प-तड़प कर गौवंश अपनी जान गंवाने को मजबूर हैं। लेकिन विभागीय अधिकारी सब कुछ जानते हुए भी खामोश व मौन बने हुए हैं और इस गौशाला के प्रबंधक ग्राम प्रधान व ग्राम पंचायत अधिकारी के विरुद्ध आज तक कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। ब्लॉक कोतवाली क्षेत्र के गांव बेगमपुर चायमल उर्फ़ धिमाहेड़ी में बनी गौशाला में आए दिन भूख से तड़प - तड़प कर गौवंश अपनी जान गंवाने को मजबूर हैं। वहाँ मौजूद देखरेख कर रहे के टेकर अमर सिंह व गौशाला में मौजूद मजदूरों में माया देवी सहित आदि वहां मौजूद तो रहते हैं।

लेकिन समय रहते उन सभी गायों को पशु चिकित्सा अधिकारी को सूचित नहीं कर पाते हैं। वह गाय बीमार भी है तथा उनका कहना हैं कि हमने गौशाला के प्रबंधक ग्राम प्रधान चरन सिंह व ग्राम पंचायत अधिकारी दिनेश प्रजापति को गाय के मृत होने व बीमार होने की खबर सूचना प्रबन्धक को समय-समय पर देते रहते हैं।

तेज रफ्तार कार ने मेट्रो में मारी जबरदस्त टक्कर मेट्रो चालक गंभीर घायल

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

थाना स्योहारा क्षेत्र के कस्बा सहसपुर में तेज रफ्तार कार ने मेट्रो में पीछे से जबरदश्त टक्कर मार दी।जिससे मेट्रो चालक गंभीर घायल किया मुरादाबाद रेफर। बताते चलें कि थाना कांठ क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सलेमपुर निवासी इंतजार पुत्र इश्तियाक मेट्रो चलाकर कर अपने परिवार का पालन पोषण करते है।

20 सितंबर 2025 को इंतजार अपने मेट्रो में किसी का किराए का सामान लेकर सहसपुर गए थे। इंतजार अपने मेट्रो से समान उतार कर खाली मेट्रो लेकर अपने घर को वापस आ रहा था। जैसे ही इंतजार अपनी मेट्रो लेकर सहसपुर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। पीछे से आ रही तेज रफ्तार शिफ्ट डिजायर कार DL5C/Q1213 ने मेट्रो में जबरदश्त टक्कर मार दी। जिससे मेट्रो के परख़च्चे उड़ गए और मेट्रो चालक बुरी तरह घायल हो गया।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची क्षेत्रीय पुलिस ने दोनों वाहन अपने कब्जे में लिए और घायल मेट्रो चालक को मुरादाबाद फोटोन हॉस्पिटल में एडमिट कराया। जहां डॉक्टर ने सर मैं काफी चोट होने के कारण हालत गंभीर नाजुक बताई है। उसी को लेकर घायल के भतीजे आतिफ से बात करने पर मीडिया को बताया कि मेरे चाचा इंतजार गरीब आदमी है।

मेरे चाचा मेट्रो चला कर अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं ।जोकि आज अपने मेट्रो में किसी का सामान लेकर सहसपुर गए थे।

जैसे ही समान उतरकर वापस आ रहे थे जैसे ही चाचा मेट्रो लेकर सहसपुर पेट्रोल पंप के पास आए। पीछे से आ रही तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने मेट्रो में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मेट्रो पूरी तरह टूटगाई और चाचा के सिर में काफी गंभीर चोट आई है मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहन अपने कब्जे लिए और चाचा को उठा कर मुरादाबाद फोटोन अस्पताल में एडमिट कराया।

संपादकीय

अमृत भारत ट्रेनअत्याधुनिक सुविधाएँ, सुरक्षा के संग विकास की रफ्तार

भारतीय रेल सदियों से देश की जीवन रेखा रही है। यह केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं बल्कि भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक धड़कनों से जुड़ा हुआ तंत्र है। आजादी के बाद से लेकर अब तक भारतीय रेलवे ने देश की प्रगति और एकता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समय के साथ तकनीक और सुविधाओं में बदलाव आया है, परंतु आम और मध्यम वर्गीय परिवारों की पहली पसंद हमेशा रेल यात्रा ही रही है।

इसी कड़ी में भारतीय रेल ने हाल ही में अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत की है, जो अपने यात्रियों को कम किराये में उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं। अमृत भारत ट्रेन अत्याधुनिक सुविधाएँ, सुरक्षा के संग विकास की रफ्तार भर रही है।

यात्रियों को कम किराये में उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध करा रही है अमृत भारत ट्रेनें। जो रोजगार, व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खोल रही है। वर्तमान में देशभर में 11अमृत भारत ट्रेनें विभिन्न मार्गों पर संचालित हो रही हैं। ये ट्रेनें न केवल यात्रा को आरामदायक और सुरक्षित बनाती हैं, बल्कि रोजगार, व्यापार और पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार भी खोल रही हैं। विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वयं इन ट्रेनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर यात्रियों को इस नई सौगात से परिचित कराया।

अत्याधुनिक सुविधाएँ और सुरक्षा उपाय -अमृत भारत एक्सप्रेस को सेमी-हाई स्पीड ट्रेन की श्रेणी में रखा गया है। इनका संचालन विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा को तेज़, सुरक्षित और आराम दायक बनाने के उद्देश्य से किया गया है। ट्रेन का डिज़ाइन, इंटीरियर और सीटिंग व्यवस्था यात्रियों को बिल्कुल नया अनुभव प्रदान करते हैं। मोदी ने उद्घाटन के अवसर पर कहा कि "जो लोग अपने काम के सिलसिले में अक्सर लंबी दूरी की यात्रा करते हैं और जिनकी आय अधिक नहीं है, अब वे भी अत्याधुनिक सुविधाओं और आरामदायक यात्रा के हकदार हैं। अमृत भारत ट्रेनें न केवल उन्हें यह सुविधा देंगी बल्कि रोजगार, व्यापार और पर्यटन को भी गति प्रदान करेंगी। "

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी स्पष्ट किया कि इन ट्रेनों का किराया सामान्य रखा गया है ताकि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को अधिकतम लाभ मिल सके। यही कारण है कि दिल्ली–मुंबई जैसे रूट पर रोज़गार और रोज़ी-रोटी की तलाश में आने-जाने वाले यात्री इसे किसी "उपहार" से कम नहीं मान रहे हैं। अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की तकनीकी खूबियाँ -ये ट्रेनें पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक पर आधारित हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करती हैं।

एलएचबी पुश–पुल तकनीक से लैस, दोनों सिरों पर इंजन लगे होने के कारण गति और स्थिरता अधिक है। अधिकतम 130 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से चलने में सक्षम। EP-असिस्टेड ब्रेक सिस्टम और क्रैश ट्यूब युक्त कपलर से सुरक्षा और अधिक सुदृढ़। पहली बार गैर-एसी कोचों में फायर डिटेक्शन सिस्टम उपलब्ध कराया गया है। सेमी- ऑटोमैटिक कॉपलर के कारण ट्रेन जोड़ते या अलग करते समय झटका नहीं लगता। टक्कर की स्थिति में डिफॉर्मेशन ट्यूब यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा देता है। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता -प्रत्येक कोच में फोल्डेबल स्नैक्स टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर। रेडियम इल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और 160 KN एयर स्प्रिंग बोगी से यात्रा और आराम दायक।

प्रत्येक शौचालय में इलेक्ट्रो- न्यूमेटिक फ्लशिंग सिस्टम, ऑटोमेटिक सोप डिस्पेंसर, और फायर सप्रेशन सिस्टम।

दिव्यांगजनों के लिए विशेष शौचालय की व्यवस्था। तेज़ मोबाइल चार्जिंग पोर्ट और पेंट्री कार उपलब्ध।

यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए कोचों में टॉक-बैक यूनिट और गार्ड रूम में रिस्पॉन्स यूनिट की सुविधा भी जोड़ी गई है। इससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संवाद संभव हो जाता है।

इन सभी सुविधाओं के कारण अमृत भारत ट्रेन किसी प्रीमियम ट्रेन से कम अनुभव नहीं कराती। साथ ही, पर्यावरण की दृष्टि से ऊर्जा की बचत और प्रदूषण कम करने के उपाय इसे और अधिक आधुनिक बनाते हैं।

रेलवे का भविष्य और विकास की रफ्तार-अमृत भारत ट्रेनें केवल एक शुरुआत हैं। भारतीय रेलवे आने वाले वर्षों में बड़े पैमाने पर विश्तार और आधुनिकीकरण की योजना पर काम कर रही है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक रेलवे नेटवर्क को पूरी तरह आधुनिक, सुरक्षित और विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस बनाना है। भविष्य की योजनाएँ-वर्ष 2030 तक लगभग 1000 नई पैसेंजर ट्रेनें शामिल की जाएँगी। इनमें 200 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें और 200–300 चेयर कार वंदे भारत ट्रेनें होंगी।

अनुमान है कि इनमें से 150 स्लीपर ट्रेनें अगले कुछ वर्षों में ही शुरू की जा सकती हैं। इन योजनाओं से न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी बल्कि रेलवे के बुनियादी ढांचे और देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

अमृत भारत ट्रेनें इस दिशा में पहला कदम हैं। ये ट्रेनें दिखाती हैं कि भारतीय रेलवे अब केवल लोहे की पटरियों और स्टेशनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों की आकांक्षाओं, उनकी संस्कृति और आत्मगौरव से जुड़ा एक सशक्त माध्यम बन चुकी है।

अमृत भारत ट्रेनों से छोटे कस्बों और शहरों के लोगों को महानगरों से बेहतर जुड़ाव मिलेगा। इससे न केवल रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे बल्कि स्थानीय व्यापार और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी। रेल यात्रा हमेशा से भारतीय समाज को जोड़ने वाली डोर रही है और अब यह डोर और भी मजबूत हो रही है। अमृत भारत ट्रेनें केवल किफायती और आरामदायक यात्रा का साधन नहीं हैं, बल्कि नए भारत की रफ्तार और आधुनिक सोच की सजीव झलक भी हैं।

ये आम और मध्यम वर्गीय यात्रियों को उच्चतम सुविधाएँ प्रदान कर रही हैं, जो पहले केवल प्रीमियम ट्रेनों तक सीमित थीं। प्रधानमंत्री मोदी का यह प्रयास न केवल यात्रियों के लिए राहत है, बल्कि भारतीय रेलवे को वैश्विक मानकों पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम भी है। रोजगार, व्यापार और पर्यटन के क्षेत्र में ये ट्रेनें अनंत संभावनाओं के द्वार खोल रही हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि अमृत भारत ट्रेनें गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सच्चे अर्थों में उपहार हैं और आने वाले वर्षों में देश के विकास की रफ्तार को और तेज़ करने वाली हैं।

आतिशबाजी रहित उत्सवों की परम्परा का सूत्रपात हो

ललित गर्ग

पर्यावरण संकट हमारे समय की सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों की लगातार हो रही क्षति ने जीवन को असहज और असुरक्षित बना दिया है। यह संकट किसी दूर के भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित कर रहा है। राजधानी दिल्ली इसका सबसे जीवंत उदाहरण है, जहाँ दीपावली और अन्य त्योहारों के बाद वायु गुणवत्ता इतनी खराब हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है।

इसका एक प्रमुख कारण पटाखों का प्रयोग है। पटाखे और आतिशबाज़ी कुछ क्षणों के लिए उत्सव का शोर और रोशनी जरूर बिखेरते हैं, लेकिन उनके पीछे छूट जाता है जहरीला धुआं, असहनीय शोर, सांस लेने में तकलीफ और एक असंतुलित वातावरण। इस स्थिति में दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर अंकुश लगाने के संदर्भ में देश की शीर्ष अदालत की टिप्पणी संवेदनशील और मार्गदर्शक होने के साथ-साथ जनजागरूकता बढ़ाने वाली है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि यदि साफ वायु राष्ट्रीय राजधानी के विशिष्ट लोगों का हक है तो यह हक शेष देश के हर व्यक्ति को भी मिलना चाहिए। दिल्ली ही नहीं, सम्पूर्ण देश में वायु प्रदूषण को नियंत्रण करना जरूरी है।

दुनिया भर के प्रदूषित देशों में भारत पांचवें नंबर पर है, दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर भी हमारे ही देश में हैं, ऐसे तेरह शहर दुनिया के शीर्ष बीस प्रदूषित शहरों में शुमार हैं, इन चिन्ताजनक हालातों में हवा को जहरीला बनाने वाले पटाखे निरंकुश रूप से जलाना एक आत्मघाती कदम ही है। पटाखों के दुष्प्रभाव स्पष्ट और प्रमाणित हैं।

वे वातावरण में जहरीली गैसों का उत्सर्जन करते हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता अचानक बेहद खराब हो जाती है। दीपावली की रात पटाखों से निकलने वाला धुआं कई दिनों तक हवा में बना रहता है और सांस की तकलीफ, आंखों में जलन, हृदय रोग और दमा जैसी बीमारियों को और गंभीर कर देता है। पटाखों से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए भय और असहनीय पीड़ा का कारण बनता है। पशु-पक्षियों की स्थिति भी दयनीय हो जाती है, उनके जीवन में असुरक्षा और बेचैनी घुल जाती है। यह सब जानते हुए भी आतिशबाज़ी को लेकर समाज में अब भी ढिलाई और परंपरा के नाम पर अनदेखी जारी रहना दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है।

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में दीपावली के बाद की स्थिति किसी आपदा से कम नहीं होती। पिछले वर्ष दीपावली के दौरान दिल्ली के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई 300 से ऊपर चला गया और "बहुत खराब" से "गंभीर" श्रेणी में दर्ज हुआ। यह हर साल का दोहराया जाने वाला दृश्य है और हर साल सरकार, समाज और न्यायपालिका को इसे लेकर चिंतित होना पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विकट स्थिति को गंभीरता से लिया है और हाल के वर्षों में बार-बार स्पष्ट किया है कि केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अब चाहे दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बर्नीहाट हो या पंजाब व राजस्थान के सबसे अधिक प्रदूषित शहर हों, उन्हें भी पटाखों के नियमन का लाभ मिलना चाहिए। हाल ही में अदालत ने सरकारों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि पटाखों के उत्पादन, बिक्री और भंडारण पर पूर्ण रोक हो, और जो भी इन नियमों का उल्लंघन करे उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। अदालत का यह रुख केवल कानूनी आदेश नहीं है, बल्कि समाज को चेताने वाला संदेश भी है कि अब हमें अपने उत्सवों की परिभाषा बदलनी होगी।

दिल्ली सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा 5 के तहत पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लागू किया है। इस प्रतिबंध के अनुसार न तो पटाखों का उत्पादन हो सकता है, न बिक्री और न ही भंडारण या उपयोग। यह कदम पर्यावरण और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए जरूरी था। लेकिन केवल सरकारी आदेश और अदालत के निर्देश काफी नहीं होंगे, जब तक समाज स्वयं अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव नहीं लाता। परंपराओं को बदलने में समय लगता है, लेकिन जैसे लोग धीरे-धीरे प्लास्टिक के खिलाफ खड़े हुए और विकल्प तलाशने लगे, वैसे ही आतिशबाज़ी से मुक्त त्योहारों को भी अपनाया जा सकता है। सवाल यह है कि हम लोग क्यों नहीं सोचते कि हमारे पटाखे जलाने से श्वास रोगों से जूझते तमाम लोगों का जीना दुश्वार हो जाता है।

यह एक हकीकत है कि देश के तमाम शहरों में हवा ही नहीं, पानी व मिट्टी तक में जहरीले तत्वों का समावेश हो चुका है। जो न केवल हमारी आबोहवा के लिये बल्कि हमारे शरीर के लिये भी घातक साबित हो रहा है। यही वजह है कि हाल के वर्षों में देश में श्वसन तंत्र से जुड़े रोगों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। साथ ही प्रदूषित हवा के प्रभाव में सांस संबंधी रोगों से लोगों के मरने का आंकड़ा भी बढ़ा है।

कहीं न कहीं हमारे वातावरण में बढ़ता प्रदूषण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने वाले कारकों में वृद्धि भी कर रहा है। लेकिन पटाखों से होने वाला प्रदूषण ऐसा है जो हमारे संयम के जरिये रोका जा सकता है। चिंता की बात यह है कि पटाखों के जलने से निकलने वाले कण हमारे श्वसनतंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ ही हमारे खून में घुल रहे हैं। जिसमें पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे महीन कण फेफड़ों में प्रवेश करके गंभीर रोगों को जन्म दे रहे हैं।

इतना ही नहीं पटाखे जलाने के कारण जहरीली रासायनिक गैसों के रिसाव से हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र को गंभीर क्षति पहुंच रही है। इससे ओजोन परत भी क्षतिग्रश्त हो रही है। साथ ही ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन भी हमारे वायुमंडल में जलवायु परिवर्तन के संकटों को बढ़ाने में भूमिका निभा रहा है।

त्योहार और उत्सव हमारे जीवन का हिस्सा हैं। वे सामाजिक जुड़ाव, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक खुशी का प्रतीक हैं। लेकिन जब खुशी मनाने का तरीका ही हमारे स्वास्थ्य और जीवन के लिए संकट बन जाए, तब उस पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक हो जाता है। दीपावली पर पटाखों की परंपरा समाज में गहराई तक पैठ चुकी है। लोग इसे परंपरा, रौनक और आनंद का प्रतीक मानते हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि "बिना पटाखों के त्योहार अधूरा लगता है। " लेकिन यह सोच आज के समय में बेहद खतरनाक साबित हो रही है। त्योहार की असली रौनक दीपों की जगमगाहट, परिवार की एकजुटता, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामूहिक उत्सवों में है। संगीत, नाटक, कला और पारंपरिक दीपक किसी भी पटाखे से कहीं अधिक स्थायी आनंद दे सकते हैं।

समय आ गया है कि हम यह स्वीकार करें कि आतिशबाज़ी अब हमारी खुशियों का हिस्सा नहीं रह सकती। खुशियों का असली मतलब है एक-दूसरे के साथ का आनंद, स्वच्छ वातावरण में खुलकर सांस लेना और समाज में शांति और प्रेम का संचार करना। अगर हम चाहते हैं कि हमारी अगली पीढ़ी सुरक्षित और स्वस्थ जीवन जी सके, तो आतिशबाज़ी को त्यागना ही होगा। सरकारें अपनी नीतियों से इस दिशा में पहल कर चुकी हैं, अदालत ने भी कठोर आदेश दिए हैं, अब बारी समाज की है कि वह अपनी सोच बदले और अपने त्योहारों को पटाखों के बिना भी और अधिक रोशन और सार्थक बनाए। एक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी व संवेदनशीलता ही हमें इस संकट से उबार सकता है।

विगत में सख्त कानून लागू करने के बावजूद नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से प्रदूषण का संकट बढ़ा ही है। जब हम प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना त्योहार मनाएंगे, तभी सच्चे अर्थों में हमारे उत्सव जीवनदायी और सार्थक बनेंगे। यही समय है कि हम सामूहिक रूप से एक नई परंपरा गढ़ें, आतिशबाज़ी रहित त्योहारों की परंपरा, ताकि आने वाली पीढ़ियां हमें दोष न दें कि हमने उनके हिस्से की स्वच्छ हवा और सुरक्षित पर्यावरण छीन लिया।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)

सोशल मीडिया से परहेज़ आखिर क्यों?

कुमार समीर

सोशल मीडिया आज की तारीख में कितनी सशक्त और उपयोगी हो गई है, यह बात किसी से छिपी नहीं है। हर कोई इसका उपयोग कर रहा है, इसे देख रहा है। इसकी पहुंच हर आयु वर्ग के लोगों तक पहुंच चुकी है इसके बावजूद कि इसकी विश्वसनीयता पर जब तब सवाल खड़े किए जाते रहे हैं। हाल ही में हरियाणा में एक आदेश पारित किया गया है कि विधानसभा की कार्यवाही सोशल मीडिया पर प्रसारित नहीं की जाएगी।

अब यहां आम लोगों द्वारा यह सवाल उठाया जाने लगा है कि यदि विधानसभा की कार्यवाही सोशल मीडिया पर प्रसारित करना प्रतिबंधित है तो फिर नेताओं और दलों को भी चुनाव प्रचार के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं करना चाहिए। आज वोट माँगने के लिए रैलियों और टीवी के साथ-साथ फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम और ट्विटर पर बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाता है। ऐसे में केवल सदन की कार्यवाही को रोकना अनुचित प्रतीत होता है। लोकतंत्र में नियम सबके लिए समान हों, तभी व्यवस्था पर जनता का विश्वास कायम रह सकता है।

भारत में 82 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से 45 करोड़ से अधिक सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। टीवी दर्शकों की संख्या घट रही है और लोग मोबाइल पर सीधे समाचार देखना पसंद करते हैं। विधानसभा की कार्यवाही केवल टीवी चैनलों तक सीमित करने का निर्णय लोकतांत्रिक पारदर्शिता को सीमित कर सकता है। बेहतर उपाय यह होगा कि विधानसभाएँ अपने आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाएँ, जहाँ कार्यवाही का सम्पूर्ण और सत्य प्रसारण हो। इस तरह सदन की गरिमा भी बनी रहेगी और जनता को सूचना तक पहुँच का अधिकार भी मिलेगा।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताक़त उसकी पारदर्शिता और जनता की भागीदारी में निहित है। संसद और विधानसभाएँ जनता की आवाज़ का प्रतिनिधित्व करती हैं और वही स्थान हैं जहाँ नीतियाँ, कानून और जनहित से जुड़े अहम मुद्दे तय किए जाते हैं। ऐसे में सदन की कार्यवाही तक जनता की पहुँच किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की बुनियादी ज़रूरत कही जा सकती है। हाल ही में हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, ट्विटर और वेब चैनलों पर अब विधानसभा की कार्यवाही का प्रसारण नहीं किया जाएगा, कई महत्वपूर्ण सवाल खड़े करता है। यह फैसला पारदर्शिता को सीमित करने वाला है या फिर सदन की गरिमा को बचाने वाला—यही इस संपादकीय का मूल प्रश्न है।

पिछले एक दशक में सोशल मीडिया ने भारतीय लोकतंत्र में एक नई क्रांति ला दी है। पहले जहाँ लोग टीवी समाचार चैनलों या अख़बारों के भरोसे रहते थे, वहीं अब फेसबुक लाइव, यूट्यूब स्ट्रीमिंग और ट्विटर अपडेट्स से उन्हें तुरंत जानकारी मिल जाती है। विधानसभा या संसद जैसी संस्थाओं की कार्यवाही अब केवल दीवारों के भीतर सीमित नहीं रही, बल्कि सीधे जनता के मोबाइल स्क्रीन पर पहुँचने लगी।

यह बदलाव सकारात्मक भी था। आम नागरिक, खासकर युवा, लोकतांत्रिक विमर्श से जुड़ने लगे। उन्हें यह समझने का अवसर मिला कि उनके चुने प्रतिनिधि सदन में उनके मुद्दों पर किस तरह की बहस कर रहे हैं। लेकिन साथ ही इसके नकारात्मक पहलू भी सामने आए। कई बार सदन की गंभीर बहस के छोटे-छोटे अंश निकालकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए गए, जिनका प्रयोग राजनीतिक प्रचार, व्यंग्य या ग़लतफ़हमियाँ फैलाने के लिए किया गया। नतीजतन, कार्यवाही का वाश्तविक उद्देश्य पीछे छूट गया और विवादों ने ज़्यादा सुर्ख़ियाँ बटोरीं।

हरियाणा प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हरिविंद्र कल्याण का कहना है कि इंटरनेट मीडिया पर वायरल होते वीडियो-संदेशों ने सदन की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। कई बार असंसदीय शब्दों, हंगामों और कटाक्षों के छोटे-छोटे हिस्सों को बार-बार प्रसारित किया जाता है, जिससे जनता तक केवल नकारात्मक छवि ही पहुँचती है।

उन्होंने आदेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि अब से केवल मान्यता प्राप्त टीवी चैनल ही कार्यवाही का सीधा प्रसारण कर सकेंगे, जबकि किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लाइव या रिकॉर्डिंग डालने पर सख़्त प्रतिबंध रहेगा। उनका तर्क यह भी है कि सदन की कार्यवाही से हटाए गए शब्दों और अंशों को सोशल मीडिया पर प्रसारित करना सीधा नियमों का उल्लंघन है। इसलिए इस पर रोक लगाना आवश्यक है। आदेश में यह भी कहा गया है कि उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

हालाँकि यह तर्क सतही तौर पर सही प्रतीत होता है, लेकिन लोकतांत्रिक दृष्टि से कई प्रश्न भी खड़े करता है। विधानसभा जनता के टैक्स से चलती है, और वहाँ की हर गतिविधि का सीधा संबंध नागरिकों से है। ऐसे में सूचना तक पहुँच को सीमित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत माना जा सकता है। आज की युवा पीढ़ी टीवी नहीं देखती। वह यूट्यूब, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर सक्रिय है। यदि केवल टीवी चैनलों तक कार्यवाही सीमित कर दी जाएगी, तो एक बड़ी आबादी लोकतांत्रिक विमर्श से वंचित रह जाएगी। जब केवल चुनिंदा माध्यमों को अनुमति होगी, तो यह संदेश जाएगा कि सूचना पर नियंत्रण किया जा रहा है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही कमज़ोर होगी।

भारत में 82 करोड़ से अधिक लोग इंटरनेट का प्रयोग करते हैं।लगभग 45 करोड़ लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि) पर सक्रिय हैं। टीवी देखने वालों की संख्या घट रही है, जबकि मोबाइल पर समाचार देखने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। संसद टीवी और राज्य विधानसभाओं के चैनल बहुत कम दर्शकों तक पहुँच पाते हैं, जबकि यूट्यूब पर एक लाइव स्ट्रीम लाखों दर्शक जुटा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लोकतंत्र में डिजिटल पारदर्शिता ही जनता का विश्वास बनाए रखने का सबसे बड़ा साधन है।

टीवी चैनल अब भी सीमित वर्ग तक ही पहुँचते हैं, जबकि सोशल मीडिया की पहुँच गाँव-गाँव और युवाओं तक है। भारत जैसे देश में जहाँ डिजिटल इंडिया की बात होती है, वहाँ सूचना को केवल टीवी चैनलों तक सीमित करना समय की माँग से मेल नहीं खाता। आज की राजनीति और समाज का बड़ा विमर्श ट्विटर ट्रेंड्स और यूट्यूब डिबेट्स में ही आकार लेता है।

यह सही है कि सदन की कार्यवाही को असंदर्भित तरीके से सोशल मीडिया पर फैलाना उचित नहीं। कई बार मज़ाक या राजनीतिक हमले के लिए हिस्से काटकर वायरल कर दिए जाते हैं। इससे जनता तक अधूरी और ग़लत तस्वीर पहुँचती है। लेकिन समाधान यह नहीं कि पूरी तरह से रोक लगा दी जाए।

बेहतर उपाय यह हो सकता है कि विधानसभा खुद एक आधिकारिक यूट्यूब चैनल, ट्विटर हैंडल और इंस्टाग्राम अकाउंट बनाए। वहाँ से कार्यवाही का सम्पूर्ण और बिना संपादन वाला प्रसारण किया जाए। साथ ही स्पष्ट नियम बनाए जाएँ कि अन्य लोग इस आधिकारिक कंटेंट को संदर्भ बदलकर नहीं इश्तेमाल कर सकते। इस तरह मर्यादा भी बनी रहेगी और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी।

दुनिया के कई लोकतांत्रिक देशों में संसद और विधानसभा की कार्यवाही लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से जनता तक पहुँचाई जाती है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने अपनी संसद की कार्यवाही को ऑनलाइन सुलभ कर रखा है। वहाँ भी असंसदीय शब्द या हंगामे होते हैं, लेकिन फिर भी जनता को सम्पूर्ण जानकारी दी जाती है ताकि लोकतंत्र में विश्वास बना रहे। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में जहाँ युवा वर्ग राजनीतिक चेतना की ओर बढ़ रहा है, वहाँ सोशल मीडिया पर रोक लगाना पीछे की ओर कदम उठाने जैसा है।

तकनीक अपने आप में न तो अच्छी होती है न बुरी, उसका उपयोग ही उसे अर्थ देता है। विधानसभा कार्यवाही के सोशल मीडिया पर प्रसारण को पूरी तरह बंद करना एक तरह से तकनीक की शक्ति को नकारना है। बेहतर होगा कि इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएँ—केवल आधिकारिक चैनलों से लाइव प्रसारण हो। कार्यवाही से हटाए गए अंश प्रसारित न किए जाएँ। संदर्भ से हटाकर बनाए गए वीडियो पर दंडात्मक कार्रवाई हो। मीडिया और जनता के बीच संवाद बना रहे।

यदि विधानसभा की ओर से एक केंद्रीयकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाया जाए, तो जनता को सीधे और बिना कटे-फटे कंटेंट तक पहुँच मिलेगी। इससे न तो गलतफहमियाँ फैलेंगी और न ही सदन की मर्यादा को ठेस पहुँचेगी। इसके अलावा यह कदम युवाओं को लोकतांत्रिक विमर्श से जोड़ने का भी सबसे सरल और सशक्त माध्यम साबित होगा।

लोकतंत्र की सफलता जनता की भागीदारी और पारदर्शिता पर निर्भर करती है। विधानसभा केवल विधायकों की नहीं, बल्कि जनता की भी संस्था है। ऐसे में उसकी कार्यवाही तक जनता की सहज पहुँच लोकतंत्र की सेहत के लिए आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष का यह निर्णय सदन की गरिमा बचाने की कोशिश है, लेकिन इसमें पारदर्शिता की कीमत चुकानी पड़ सकती है।

सही राश्ता यही है कि मर्यादा और पारदर्शिता, दोनों के बीच संतुलन साधा जाए। सोशल मीडिया पर रोक लगाने के बजाय इसे सुव्यवस्थित किया जाए, ताकि न केवल लोकतंत्र की गरिमा बनी रहे, बल्कि नागरिक भी अपने प्रतिनिधियों के कार्यकलापों से पूरी तरह परिचित रह सकें। यही स्वस्थ लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान होगी।

'स्वार्थ प्रथम' के सिद्धान्त पर दस्तक देता राष्ट्रद्रोह का दावानल

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश के आन्तरिक हालातों को बिगाडने की कोशिशें तेज होती जा रहीं हैं। 'डीप स्टेट' से जुडे लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। प्रमाणों की फेरिश्त विदेशी रिपोर्ट्स में उजागर हो रहीं हैं। आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक पक्षों को प्रभावित करने हेतु सात समुन्दर पार से धनराशि की खेपें निरंतर पहुंचाई जा रही हैं।

चरणबद्ध षडयंत्र के तहत पहले देश के निवासियों में से ऐसे मीरजाफरों को खोजा जाता है जो पैसा, प्रतिष्ठा और पारिवारिक गरिमा को शीर्ष तक ले जाने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार होते हैं, फिर उनके सहयोग से समाज सेवा, सामाजिक प्रशिक्षण, सामाजिक सरोकार, सामाजिक प्रबंधन, आधुनिक शिक्षा आदि के नाम पर एनजीओ का गठन करवाया जाता है।

इन एनजीओ में समाज सेवा के नाम पर भारी भरकम फंड पहुंचाकर मीरजाफरों को अपने खास सिपाहसालारों की फौज तैयार करने का हुक्म दिया जाता है ताकि असामाजिक तत्वों की भीड को एनजीओ कार्यकर्ताओं के रूप में प्रश्तुत किया जा सके। इन मीरजाफरों में राजनैतिक दलों, उद्योगपतियों, कथित बुद्धिजीवियों, असामाजिक तत्वों, अतिमहात्वाकांक्षी व्यक्तियों, अपरिपक्व किशोरों, नासमझ छात्रों, बेरोजगार युवाओं, स्वतंत्र विचारों वाली युवतियों आदि को विलासतापूर्ण भविष्य के सब्जबाग दिखाकर शामिल किया जाता है।

ऐसे ज्यादातर एनजीओ की बागडोर विदेशों से शिक्षा प्राप्त करके स्वदेश लौटने वाले स्वार्थी लोगों के हाथों में सौंपी जाती है जिनमें राजनैतिक चेहरों सहित अनेक प्रतिष्ठित लोगों को शामिल किया जाता है ताकि संवैधानिक अंकुश लगने पर हंगामा खडा किया जा सके। हाल ही में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कहा कि उन्हें पाकिश्तान घर जैसा लगता है।

इनके विवादास्पद बयानों ने हमेशा ही देश के वातावरण में जहर घोलने की काम किया है। सैम के एनजीओ ग्लोबल नालेज इनिशिएटिव को अमेरिकी विदेश विभाग, यूएसएआईडी तथा राक फेलर फाउण्डेशन से निरंतर धन की प्राप्ति हो रही है। सैम तो राकफेलर के वर्तमान उपाध्यक्ष तथा अमेरिकी सरकार के पूर्व सलाहकार भी हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के पूंजीपति जार्ज सोरोस को लम्बे समय से भारत विरोधी गतिविधियों के लिए जाना जाता है। सोरोन को रिसर्च फार सोशल हैल्थ ने अपने बुलेटिन में 'डीप स्टेट' के साथ जोडते हुए नकारात्मक व्यक्ति की उपाधि से विभूषित किया है।

आश्चर्य होता है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मुख्य सलाहकार एवं गांधी परिवार के निजी एनजीओ राजीव गांधी फाउंडेशन के सीईओ विजय महाजन केवल सोरोस के ही पार्टनर नहीं हैं बल्कि उनकी सीआईए से संबद्ध फोर्ड फाउंडेशन के साथ भी साझेदारी बताई जाती है। मालूम हो कि सन 1982 में फोर्ड फाउंडेशन के अधिकारी दीप जोशी ने सह-संस्थापक विजय महाजन के साथ मिलकर 'प्रदान' नामक एक प्रशिक्षण एनजीओ की स्थापना की थी जिसे पिछले 12 वर्षों में 596 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी फंडिंग प्राप्त हुई है।

आश्चर्य तो तब हुआ जब बंग्लादेश में 'डीप स्टेट' के इशारे पर तख्ता पलट हुआ तब फोर्ड फाउण्डेशन से जुडे मोहम्मद यूनुस को सत्ता पर स्थापित करवाने में सहयोग हेतु फोर्डियन विजय महाजन को दायित्व सौंपा गया। उस कठिन दौर में ट्रस्ट के पूर्व ट्रस्टी नारायण मूर्ति ने भी सहयोगात्मकत कार्य किया था। मालूम हो कि अप्रैल 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व हेतु विजय महाजन तथा इन्फोसिस के प्रथम अध्यक्ष डा. जी. के. जयराम ने जवाहरलाल नेहरू लीडरशिप इंस्टीट्यूट अर्थात जेएनएलआई के नाम से एक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया था। यही संस्थान जुबैर से लेकर आरफा तक, द कारवां से लेकर आर्टिकल 14 तक को फंड करता है। इस हेतु इंफोसिस के मालिक सहित उनके अन्य मित्र वित्तीय व्यवस्था करते है।

इस संस्थान के संस्थापक ट्रस्टियों में शामिल रुक्मिणी बनर्जी का नाम विजय महाजन के फोर्ड वित्त पोषित एनजीओ की उपाध्यक्ष के रूप में भी शामिल है। कहा जाता है कि सीआईए ने फोर्ड फाउण्डेशन को अन्तर्राष्ट्रीय श्तर पर मनोवैज्ञानिक युद्ध करने के लिए युवा शक्ति तैयार करने का काम सौंपा है। ज्ञातव्य हो कि सीआरपीएफ के वीवीआईपी सिक्यूरिटी हेड सुनील जून ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि राहुल गांधी अपनी सुरक्षा को गम्भीरता से नहीं ले रहे हैं।

क्यों कि वह ज्यादातर विदेश यात्रा पर बिना किसी को बताये जा रहे हैं। पत्र में राहुल गांधी की 30 दिसम्बर से 9 जनवरी तक इटली, 12 मार्च से 17 मार्च तक वियतनाम, 17 अप्रैल से 23 अप्रैल तक दुबई, 11 जून से 18 जून तक कतर, 25 जून से 6 जुलाई तक मलेशिया जैसी यात्राओं का हवाला दिया गया है। पूर्व में भी प्रोटोकाल तोडने की अनेक शिकायतें दर्ज की जा चुकीं हैं। इस संबंध में सीआरपीएफ ने बताया है कि सन 2020 से अब तक 113 बार उन्होंने सुरक्षा दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है जिसमें पार्टी की भारत जोडो यात्रा का दिल्ली फेस भी शामिल है। आखिर क्यों सुरक्षा चक्र तोडकर राहुल गांधी विदेश दौरे पर चुपचाप निकल जाते हैं।

इस प्रश्न का उत्तर जानने का अधिकार राष्ट्र को है। फ्रांसीसी मीडिया ने उजागर किया है कि 'डीप स्टेट' अपने नियंत्रणकारी संस्थाओं के माध्यम से व्यवसायिक, व्यापारिक, आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, पोषण आदि की रिपोर्ट प्रकाशित करवाने के बाद उसे प्रभावशाली ढंग से विपक्ष द्वारा उठवाने, आम नागरिकों को गुमराह करवाने और सरकारों को दबाव में लेकर अपने हितों की पूर्ति हेतु कठपुतली बनाने में जी जान से लगी हुई है। ऐसी ही खोजपरक जानकारियां अन्य देशों से भी निरंतर प्राप्त हो रहीं हैं। ऐसे में विदेशी रिपोर्ट्स पर देश के सदन में होने वाले हंगामों का राज स्वतः ही खुल जाता है।

स्वार्थ प्रथम के सिद्धान्त पर दश्तक देता राष्ट्रद्रोह का दावानल अब घातक से अतिघातक होता जा रहा है। 'डीप स्टेट' के साथ गलबहियां करने वालों को समय रहते चिन्हित करना होगा तभी देशवासियों को अपनत्व भरे वातावरण में किलकारियां भरने का अवसर मिलता रहेगा। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

चित्तौरा झील में नहाते समय 3 बच्चियां डूबीं, मौत से परिवार में कोहराम

बहराइच, एजेंसी। पितृ विसर्जन के दौरान चित्तौरा झील में नहाने के दौरान तीन मासूम बच्चियां डूब गईं। ग्रामीणों ने किसी तरह बच्चियों को बाहर निकाला और मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। तीनों बच्चियों एक ही परिवार की थीं। मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजवाया है। कोतवाली देहात इलाके के कोडरीताल ग्राम की रहने वाली संध्या (7) पुत्री ननके, मायाराम की पुत्री विद्या (7) व प्रियांशी (6) पुत्री सुरेश अन्य बच्चों के साथ गांव के पास स्थित चित्तौरा झील में नहाने गई थीं। नहाने के दौरान तीनों बच्चियां गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। साथी बच्चों ने डूबने की सूचना घरवालों को दी। आननफानन परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चियों को झील से निकाल कर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। जहां पर डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। बच्चियों की मौत की मिलने पर घर में कोहराम मच गया। घटनास्थल पर पहुंचीं एसडीएम सदर पूजा चौधरी ने बताया कि बच्चियां आपस चचेरी बहनें हैं। मौके का निरीक्षण किया गया है। बच्चियों के परिजनों को नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाई जाएगी। वहीं नगर विधायक अनुपमा जायसवाल ने बताया कि तीनों बच्चियों अपने माता-पिता की इकलौती संतान थीं। बच्चियों की मौत से परिजनों को गहरा सदमा लगा है। डीएम से वार्ता कर रात में ही शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जो भी सरकारी लाभ होगा, परिजनों को दिलाया जाएगा।

लखनऊ में बेकाबू थार ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, दो की मौत

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ के कैंट इलाके में तेज रफ्तार थार ने ई रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। इससे ई रिक्शा में सवार छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पहले सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया, बाकी गंभीर रूप से घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। वहीं, आरोपी ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस की तरफ से आधिकारिक तौर पर 2 युवकों की मौत की पुष्टि की गई है। दूसरे व्यक्ति की मौत ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान हुई थी। पुलिस आयुक्त लखनऊ कार्यालय की तरफ से जारी सूचना के अनुसार शनिवार की शाम 7:30 बजे बनिया चौराहे के पास एक्सीडेंट हुआ। मौके पर जाकर पुलिस ने पाया कि ई रिक्शा का एक्सीडेंट हुआ है। इसमें 6 लोग सवार थे। पुलिस ने हादसे में घायल लोगों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल भेजा। यहां पर डॉक्टरों द्वारा मोहित निवासी ग्राम कुर्मी खेड़ा को मृत घोषित कर दिया। घायलों को ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान उमेश निवासी निगोहा के इलाज के दौरान मृत घोषित किया गया। अन्य घायलों का उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार का ड्राइवर नशे में नजर आ रहा था। पुलिस आयुक्त लखनऊ कार्यालय के मुताबिक हादसा थार से हुआ है। गाड़ी को कब्जे में ले लिया गया है। चालक मौके से फरार है। आवश्यक विधिक करवाई किया जा रहा है। मृतको के परिजनों को सूचना दे दी गई है। घायल आयुष यादव, अंश यादव, प्रमोद कुमार, अनुज, सुमित तथा भूपेंद्र इस एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी का इलाज चल रहा है।

अलीगढ़ में राम बारात जूलूस में मारपीट, रामलीला कमेटी के अध्यक्ष को पड़ोसियों ने पीटा

अलीगढ़, एजेंसी। जिले के पिसावा कस्बे में शनिवार रात निकली राम बारात में हंगामा हो गया। रामलीला कमेटी के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गुप्ता के साथ उनके पड़ोसियों ने मारपीट शुरू कर दी। घटना में वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। इस घटना से नाराज कमेटी के सदस्य और राम बारात में शामिल लोग थाने पहुंचे और घेराव कर दिया। पुलिस थाने पर जमकर नारेबाजी की गई। आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। क्षेत्राधिकारी खैर वरुण सिंह ने बताया कि थाना पिसावा क्षेत्र में राम बारात का आयोजन हुआ था। आयोजन के दौरान रामलीला कमेटी के अध्यक्ष और उनके पड़ोसियों के बीच विवाद हो गया। इसमें अध्यक्ष को चोटें आई हैं। उनका मेडिकल कराया गया है। साथ ही तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विधिक कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि राम बारात का कार्यक्रम सकुशल संपन्न करा दिया गया है। मौके पर स्थिति अब नियंत्रण में हैं। कैसे मचा राम बारात में बवाल- स्थानीय निवासियों ने बताया कि शनिवार को राम बारात अलग-अलग रास्तों से होकर चंद्रप्रकाश गुप्ता के घर के सामने से गुजर रही थी। इसी दौरान उनके पड़ोसी सचिन कुमार, बंटी और देवी सिंह आ गए और बारात को रोकने की कोशिश करने लगे। कमेटी के लोगों ने इसका विरोध किया तो तीनों ने अध्यक्ष चंद्रप्रकाश गुप्ता पर हमला बोल दिया। उन्हें बुरी तरह पीटकर घायल कर दिया। बीच-बचाव के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग पिसावा थाने पहुंचे और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पीड़ित ने एक लाख रुपए लूटने का भी आरोप लगाया है।

नशामुक्त भारत के लिए नमो रन; मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, कहा-

युवाओं के सपनों को उड़ान देगी जीएसटी में छूट

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने आवास से नशामुक्त भारत के लिए नमो युवा रन का शुभारंभ किया। नमो मैराथन कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे तक पहुंची। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के जयकारों से युवाओं का हौसला बढ़ाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देश और प्रदेशवासियों को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है। इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गई है। वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गई है। जिसे 22 सितंबर से पूरे देश में लागू किया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। जीएसटी रिफॉर्म से हर व्यक्ति की खरीद की क्षमता बढ़ेगी, बाज़ार की ताकत बढ़ेगी, नए रोज़गार का सृजन होगा, व्यक्ति को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी और रोज़गार के नये अवसर पर भी मिलेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से दो अक्टूबर (राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती) तक भारतीय जनता पार्टी पूरे देश भर में सेवा पखवाड़ा मना रही है। प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है कि यदि नारी स्वस्थ होगी तो परिवार सशक्त होगा, समाज सशक्त होगा और राष्ट्र भी सशक्त बनेगा। इसी सोच के आधार पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम पूरे देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। युवा शक्ति सेवा पखवाड़ा के तहत नमो मैराथन से जुड़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा शक्ति अपार ऊर्जा का प्रतीक है। अगर यह सकारात्मक दिशा में बढ़ेगी तो राष्ट्र के लिए कल्याणकारी सिद्ध होगी, लेकिन यदि नशे की ओर मुड़ेगी तो उसका पतन निश्चित है। 'नमो मैराथन' के जरिए युवाओं से नशामुक्ति का आह्वान भी किया जा रहा है।

17 सितंबर से दो अक्टूबर तक लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती और दो अक्टूबर को महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विशेष आयोजन होंगे। इस बार संयोग से दो अक्टूबर को ही विजयादशमी भी है। यह अवसर बुराइयों को समाप्त कर एक सशक्त और समर्थ भारत की दिशा में कदम बढ़ाने का प्रतीक होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर देशवासियों से ÷विकसित भारत÷ का संकल्प लेने और पंच प्रण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। पीएम ने कहा था कि गुलामी के अंशों को समाप्त करना होगा, अपनी विरासत का सम्मान करना होगा, सेना व वर्दीधारी बलों के प्रति आदर रखना होगा, सामाजिक समता के निर्माण के लिए कार्य करना होगा और अपने नागरिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना होगा। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव, मेयर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ला, डा. नीरज बोरा और ओपी श्रीवास्तव मौजूद रहे।

बलिया में जन्मदिन पार्टी से लौट रहे युवक के सीने में लगी गोली, मौत, 6 महीने पहले हुई थी शादी

बलिया, एजेंसी। जिले में बर्थडे पार्टी से वापस लौट रहे युवक को गोली लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है, कि गोली क्यों और कैसे लगी? युवक के सीने पर गोली लगी है। सूचना पर जिले के सीनियर पुलिस अधिकारी, फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची। मामले की जांच की जा रही है। साथ ही स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। मृतक की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी। यह घटना हल्दी थाना क्षेत्र के नीरूपुर ढाले के पास की है।

पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि डायल 112 को सूचना मिली कि हल्दी थाना क्षेत्र के ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के पास एक युवक को गोली लग गई है। युवक के परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टर ने युवक को मृत घोषित कर दिया है। मृतक की पहचान सुनील यादव (35) पुत्र शिवशंकर यादव के तौर पर की गई है।

गोली कैसे लगी? यह पता नहीं- पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मृतक के परिजन अभी कुछ भी बताने की स्थिति में नहीं हैं। एक युवक मिला है, जो घटना के बारे में बता रहा है, लेकिन वह भी क्लियर नहीं है, कि आखिर सुनील यादव को गोली कैसे लगी? घटनास्थल पर क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी पहुंचे हैं और जांच-पड़ताल की जा रही है। जो भी फैक्ट सामने आएंगे, उनके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

जन्मदिन की पार्टी और विवाद- पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सुनील यादव गांव के ही एक बच्चे के बर्थडे पार्टी में गया था। वहां से लौटते समय यह वारदात हुई है। वहीं, मृतक के साथी अंकित यादव ने बताया कि वह लोग अपने दोस्त दीपक का जन्मदिन मनाने गए थे।

नीरूपुर ढाला ग्रीन फिल्ड एक्सप्रस-वे के पास केट काटकर लौट रहे थे। रास्ते में रैपुरा चट्टी पर कुछ लोगों के बीच झगड़ा हो रहा था, जहां यह लोग भी रुक गए।

वाराणसी पहुंचा मेजर रौनक सिंह का पार्थिव शरीर, सेना के जवानों ने दी शस्त्र सलामी

वाराणसी, एजेंसी। बारामूला में तैनात शहीद मेजर रौनक सिंह पार्थिव शरीर शनिवार शाम वाराणसी के लालबहादुर शास्त्री अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। एयरपोर्ट पर ही सेना के अधिकारियों और जवानों ने शहीद मेजर को शस्त्र सलामी दी। यह दृश्य देख पार्थिव शरीर लेने पहुंचे परिजन और रिश्तेदार भावुक हो गए। मेजर रौनक सिंह का अंतिम संस्कार रविवार को मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा। मेजर रौनक सिंह मूलरूप से प्रतापगढ़ के रहने वाले थे।

वाराणसी के चांदपुर इंडस्ट्रियल एरिया निवासी अतींद्र सिंह ने बताया कि भाई मेजर रौनक सिंह (34) बारामूला कश्मीर में तैनात थे। ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। सेना के जवानों ने उन्हें श्रीनगर सेना के अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान मृत्यु हो गई थी। पार्थिव शरीर विशेष विमान से शनिवार शाम 7।45 बजे वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लाया गया था।

अतीन्द्र सिंह के मुताबिक मेजर रौनक सिंह कई साल से वाराणसी के चांदपुर स्माल स्टेट इंडस्ट्रियल एरिया में माता-पिता व पत्नी के साथ रह रहे थे। रौनक सिंह 2014 में देहरादून सेना के कमान सेंटर से कैप्टन के पद पर भर्ती हुए थे। कुछ महीने पहले ही मेजर पद पर प्रमोशन हुआ था। मेजर रौनक की शादी 23 जून 2023 में हुई थी। बीते 6 सितंबर को घर वाराणसी आए थे। इसके बाद 12 सितंबर को वापस श्रीनगर चले गए थे।

अतीन्द्र सिंह ने बताया कि अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा। वहीं मेजर रौनक सिंह का पार्थिव शरीर आवास पर पहुंचा तो आसपास के लोग उमड़ पड़े। आवास पर मौजूद मेजर के बचपन के संगी-साथियों और रिश्तेदारों की आंखों से आंसू छलक पड़े। पिता शशि सिंह, मां रेनू सिंह, दादा बीएन सिंह, दादी उर्मिला सिंह व पत्नी डॉ। अर्चिता सिंह, छोटा भाई शिवम सिंह का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

महिला की हत्याकर शव नहर में फेंकने का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

बाराबंकी, एजेंसी। जिला पुलिस ने 19 सितंबर को महिला की हत्या कर शव नहर में फेंकने के आरोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाश के कब्जे से अवैध हथियार और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

एडिशनल एसपी विकास चन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि मसौली थाना क्षेत्र में शनिवार को एक महिला का शव मिला था। मृतका के सिर पर चोट के निशान थे। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी।

छानबीन में पता चला कि शुक्रवार (19 सितंबर) की दोपहर महिला डाक्टर से चेकअप करवाने के लिए घर से निकली थी। देर शाम वह घर नहीं पहुंची थी। परिजनों ने देर रात तक महिला की खोजबीन की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला था।

एडिशनल एसपी ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने डिजिटल डाटा के आधार पर घटना में संलिप्त आरोपी की तलाश की। आरोपी को पुलिया के पास पुलिस ने घेरा तो उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में उसके पैर में गोली लग गई। इससे वह घायल हो गया।

उन्होंने बताया कि घायल बदमाश की पहचान राजू निवासी बाराबंकी के रूप में हुई। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। बदमाश ने महिला की हत्या की बात कुबूल की है। उसके साथ इस वारदात में अन्य आरोपी विपेंद्र कुमार रावत निवासी फतेहपुर को भी गिरफ्तार किया गया है।

एसपी ने बताया कि दोनों आरोपी राजू और विपेंद्र कुमार रावत का महिला से परिचय था। पूछताछ में पता चला है कि 19 सितंबर की शाम को राजू महिला को अपनी मोटरसाइकिल पर बैठाकर घर पहुंचाने के लिए निकला था। आरोपी राजू वर्मा के खिलाफ थाना जहांगीराबाद पर पहले से जघन्य अपराध के दो मामले दर्ज हैं। इनमें वह जेल गया था। पूछताछ में आरोपी राजू ने महिला की हत्याकर शव नहर में फेंकने की बात कबूली है। इसकी जांच की जा रही है। महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। इस मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बीजेपी का सेवा पखवाड़ा; सीएम योगी होंगे नमो मैराथन में शामिल, राज्य में 16 जगह होगी दौड़

लखनऊ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी द्वारा शुरू किये गए सेवा पखवाड़ा के अभियान के अर्न्तगत रविवार को प्रदेश के 16 महानगरों में नमो मैराथन दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी लखनऊ में और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल वाराणसी महानगर में नमो मैराथन दौड़ में सम्मिलित होंगे।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य आगरा महानगर में, ब्रजेश पाठक बरेली महानगर में और पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह मेरठ महानगर में नमो मैराथन दौड़ में सम्मिलित होंगे। पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने कहा कि पार्टी के सेवा पखवाड़ा अभियान में 21 सितंबर को नमो मैराथन का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस मैराथन का उद्देश्य युवाओं को विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और नशामुक्त भारत जैसे संकल्पों से जोड़ना है। नमो मैराथन में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी उत्साह के साथ रहेगी। गोविन्द नारायण शुक्ल ने बताया कि 21 सितम्बर को आयोजित नमो मैराथन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेखा वर्मा मथुरा महानगर, राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा राज कुमार चाहर अलीगढ़ महानगर, कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह गोरखपुर महानगर में रहेगे।

प्रदेश में लगातार बढ़ रही टीबी के मरीजों की संख्या; तीन साल में 18 लाख पेशेंट मिले

लखनऊ, एजेंसी। क्षय रोग (टीबी) एक संक्रामक रोग है, जो जीवाणु माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के कारण होता है। आमतौर पर यह फेफड़ों को प्रभावित करता है, लेकिन ऐसे मामले हैं जहां यह रीढ़ और मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन का मौका था, ऐसे में प्रदेश के लगभग सभी अस्पतालों ने क्षय रोग से पीड़ित मरीजों को गोद लिया है।

यूपी को 2026 तक टीबी मुक्त प्रदेश बनाने का संकल्प है, लेकिन यह कैसे संभव हो पाएगा। दरअसल, लगातार अस्पतालों में टीबी से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वर्ष 2022 से लेकर 2024 तक के आंकड़े हैरान कर देने वाले हैं।

2022 से 2024 तक के आंकड़े- 2022-2024 की अवधि में उत्तर प्रदेश ने देश में सबसे अधिक टीबी के मामले दर्ज किए, जो कि केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार थे। यूपी में वर्ष 2022 में 5 लाख मरीज टीबी से पीड़ित थे। वर्ष 2023 में उत्तर प्रदेश में 6।24 लाख से अधिक टीबी मरीजों को चिन्हित किया गया, जो पूरे देश में सबसे अधिक संख्या थी। उत्तर प्रदेश में 2024 में 6।73 लाख से अधिक टीबी मरीजों की पहचान की गई, जो 2024 के केंद्रीय टीबी प्रभाग के लक्ष्य 6।5 लाख से अधिक है। इससे यह साफ साबित होता है।

तीन साल से बढ़ रही टीबी के मरीजों की संख्या- पिछले तीन वर्षों में लगातार टीबी से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सरकार जितने भी अभियान चला रही है, वह फेल साबित हो रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग और प्रदेश सरकार की ओर से जितने भी टीबी से पीड़ित मरीजों को गोद लिया जा रहा है या उन्हें चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। वह तो ठीक है, लेकिन उत्तर प्रदेश में टीबी के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। घटने का नामोनिशान कहीं नहीं है। फिलहाल अभी 2025 का आंकड़ा जारी नहीं हुआ है, लेकिन बीते तीन वर्षों के आंकड़ों से साबित होता है कि वर्ष 2025 में भी टीबी के मरीज बढ़ेंगे।

शरीर के कई हिस्सों में होता है टीबी- सिविल अस्पताल के वरिष्ठ क्षयरोग विशेषज्ञ ने बताया कि एक व्यक्ति के शरीर के अलग-अलग हिस्से में अलग-अलग टीबी की बीमारी होती है। इनके कई प्रकार होते हैं। लगभग 10 प्रतिशत संक्रमित लोग अपने जीवनकाल में सक्रिय टीबी विकसित करते हैं। अगर ठीक से इलाज न किया जाए या अनुपचारित छोड़ दिया जाए, तो यह घातक हो सकता है। उन्होंने बताया कि हजरतगंज स्थित सिविल अस्पताल में रोजाना 10 से 15 टीबी के मरीज अस्पताल की ओपीडी में आते हैं।

ऐसे फैलता है क्षयरोग- डॉ। आशुतोष दुबे ने बताया कि क्षयरोग से पीड़ित मरीज जब छींकता है, खांसता है, हंसता है या थूकता है, तो वे हवा में टीबी के कीटाणु फैलाते हैं। कीटाणुओं के साथ हवा में सांस लेने वाला कोई भी व्यक्ति संक्रमित हो सकता है। एक बार जब बैक्टीरिया किसी व्यक्ति के सिस्टम में प्रवेश करते हैं, तो वे शरीर के उन क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करते हैं और धीरे-धीरे बढ़ते हैं जिनमें बहुत अधिक रक्त और ऑक्सीजन होता है। इसलिए, वे लगभग हमेशा फेफड़ों में पाए जाते हैं।

फेफड़ों में ब्लीडिंग हो सकती है- ऊष्मायन अवधि लगभग दो से 12 सप्ताह तक भिन्न हो सकती है। एक व्यक्ति लंबे समय तक संक्रामक रह सकता है (जब तक कि थूक में व्यवहार्य टीबी बैक्टीरिया मौजूद हैं) और संक्रामक रह सकते हैं जब तक कि वे कई हफ्तों तक उचित चिकित्सा पर न हों। बैक्टीरिया फेफड़ों में गुहाओं का निर्माण कर सकते हैं। कैविटी के कारण फेफड़ों में रक्तस्राव हो सकता है। ये पॉकेट या कैविटी अन्य बैक्टीरिया से भी संक्रमित हो सकते हैं और इसके परिणामस्वरूप फोड़े या मवाद की जेब बन सकती है।

फेफड़ों की टीबी को पल्मोनरी टीबी कहलाती है- उन्होंने बताया कि फेफड़ों की टीबी को पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। पल्मोनरी टीबी अत्यधिक संक्रामक है। हालांकि, टीबी शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है। टीबी के इस रूप को एक्स्ट्रा-पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। केवल कीटाणुओं को अंदर लेने का मतलब यह नहीं है कि एक व्यक्ति को सक्रिय तपेदिक कहा जाता है। एक व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली अक्सर संक्रमण को नियंत्रित करने में सक्षम होती है, ताकि वह बीमारी का कारण न बने। ऐसे मामले में, बैक्टीरिया शरीर में निष्क्रिय अवस्था में रहेंगे और टीबी के कोई लक्षण नहीं पैदा करेंगे।

मिथुन मनहास को मिल सकती है BCCI अध्यक्ष की जिम्मेदारी

मुंबई, एजेंसी। 45 वर्षीय मिथुन मनहास का क्रिकेट करियर लंबा और सफल रहा है। उन्होंने 1997/98 सीजन में दिल्ली से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकी। बीसीसीआई के नए अध्यक्ष के नाम पर से जल्द पर्दा उठ सकता है। दिल्ली से खेलने वाले जम्मू-कश्मीर के पूर्व बल्लेबाज मिथुन मनहास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष बन सकते हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में हुई बीसीसीआई की बैठक में मनहास सबसे मजबूत उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 21 सितंबर तय है, जबकि चुनाव 28 सितंबर को होंगे।

घरेलू क्रिकेट के स्टार रहे मनहास

45 वर्षीय मिथुन मनहास का क्रिकेट करियर लंबा और सफल रहा है। उन्होंने 1997/98 सीजन में दिल्ली से अपने करियर की शुरुआत की। हालांकि, भारतीय टीम में उन्हें जगह नहीं मिल सकी क्योंकि उस दौर में सचिन तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज बल्लेबाज टीम का हिस्सा थे।

इसके बावजूद, मनहास घरेलू क्रिकेट में बड़े खिलाड़ी के रूप में स्थापित हुए। उन्होंने दिल्ली रणजी टीम की कप्तानी भी की और शुरुआती दिनों में विराट कोहली ने उनके नेतृत्व में खेला। 2007-08 रणजी सीजन में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 921 रन बनाए और उनका औसत 57.56 का रहा। उसी सीजन में दिल्ली ने खिताब जीता था।

2015 में मनहास अपने गृहनगर जम्मू-कश्मीर लौट आए। उनके फर्स्ट क्लास करियर में 157 मैच, 9714 रन, और 27 शतक शामिल हैं। इसके अलावा, उन्होंने 130 लिस्ट ए मैचों में 4126 रन और 91 टी20 मैचों में 1170 रन बनाए।

मिथुन मनहास को 2008 में पहले आईपीएल सीजन में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) ने खरीदा था। वे 2010 तक टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद उन्होंने पुणे वॉरियर्स इंडिया और 2014 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी खेला। आईपीएल में मनहास ने कुल 55 मैच खेले और 514 रन बनाए। उनका औसत 22.34 का रहा। मनहास का स्ट्राइक रेट 109.36 का रहा।

अगर मैं एंडी पाइक्रॉफ्ट होता, तो आप मुझसे माफी मांगते : अश्विन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इन दिनों गलत कारणों से चर्चा में है। मौजूदा टी20 एशिया कप 2025 में पीसीबी ने भारत द्वारा हाथ मिलाने की अनदेखी पर नाराजगी जताई और मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट पर अपना गुस्सा निकाला। यूएई मैच से पहले पाइक्रॉफ्ट की पाकिस्तानी कप्तान सलमान आगा से मुलाकात की रिकॉर्डिंग को लेकर जहां पीसीबी मुश्किल में है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बेवजह के ड्रामे के लिए बोर्ड की आलोचना की। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, एंडी पाइक्रॉफ्ट ने वाकई सबको ऐसा घटिया तमाशा देखने से बचा लिया। उन्होंने आगे कहा, भारत ने मैच रेफरी को पहले ही बता दिया था, यह हमारा फैसला है और हम इसका पालन करेंगे। बस। इतने सारे ड्रामे के बाद आप मैच हार गए। तो आप किस बात की शिकायत कर रहे हैं? आप इसलिए नहीं हारे क्योंकि हमने हाथ नहीं मिलाया। कृपया जाकर पता लगाएं कि आप असल में क्या सुधार कर सकते हैं।

अगर भारत के साथ हाथ न मिलाना आपकी समस्या थी, तो आप यूएई के मैच में उस समस्या का हल क्यों ढूंढ रहे थे? आपको एंडी पाइक्रॉफ्ट को बलि का बकरा क्यों बनाना पड़ा? उसने कुछ भी गलत नहीं किया। अश्विन ने आगे कहा, वह कोई स्कूल टीचर नहीं है। वह कोई प्रिंसिपल नहीं है। वह जाकर सूर्या को नहीं ला सकता और कह सकता है, आओ हाथ मिलाओ। यह उसका काम नहीं है। आखिर पाइक्रॉफ्ट की क्या गलती है।

स्मृति मंधाना ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बनी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली में खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में 50 गेंदों में शतक पूरा कर बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। वह वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली भारतीय बन गईं। इस मामले में उन्होंने पूर्व कप्तान विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, कोहली ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 52 गेंदों में शतक लगाया था और एक दशक से ज्यादा समय तक यह रिकॉर्ड उनके ही नाम था।

मंधाना ने करेन रोल्टन को पीछे छोड़ा

महज 50 गेंदों में शतक जड़कर मंधाना महिला वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं। उन्होंने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करेन रोल्टन के 2000-01 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाए गए 57 गेंद में बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग 2012-13 सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ 45 गेंद में शतक बनाया जिससे वह सबसे तेज शतक बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर हैं।

विश्व कप 2025 के लिए

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम का किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के समर्थन में देश को एकजुट करने के लिए आवाज उठाई है और प्रशंसकों से महिला क्रिकेट के लिए भी वैसा ही जुनून और समर्थन दिखाने का आग्रह किया है जैसा वे पुरुष क्रिकेट के लिए दिखाते हैं।

इस साल महिलाओं के प्रमुख टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता, जियोहॉटस्टार द्वारा जारी एक वीडियो में अक्षय कुमार ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। महिला क्रिकेट टीम का समर्थन करने के महत्व पर बात करते हुए अक्षय कुमार ने 2017 विश्व कप फाइनल देखने के अपने अनुभव को याद किया और अपनी भावनाएं

साझा कीं। उन्होंने कहा, ÷मुझे 2017 विश्व कप फाइनल आज भी याद है। मैं स्कॉटलैंड से ट्रेन पकड़कर फाइनल देखने स्टेडियम गया था। मैंने हमारी महिला क्रिकेट टीम का जुनून देखा।

मैं क्यों गया था? क्योंकि तभी मुझे समझ आया कि क्रिकेट में कोई लिंग भेद नहीं होता। बस एक जर्सी, एक जुनून और एक टीम होती है। टीम इंडिया।

उन्होंने कहा, हम आमतौर पर पुरुष टीम का उत्साहवर्धन करते हैं। लेकिन असली समर्थन तब मिलेगा जब हम अपनी महिला टीम का भी उतना ही उत्साहवर्धन करेंगे, जितना हम पुरुष टीम का करते हैं। असली प्रशंसक वह है जो हर खिलाड़ी के साथ खड़ा हो, चाहे वह पुरुष हो या महिला। यही असली नीले रंग की निशानी है।

जर्सी वही, जज्बा वही। वीडियो में, अक्षय भारतीय उप-कप्तान स्मृति मंधाना की 18 नंबर की जर्सी पकड़े हुए भी दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह बात पुख्ता होती है कि विराट कोहली हों या स्मृति मंधाना, जर्सी एक ही रहती है। भारत, श्रीलंका के साथ मिलकर आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी कर रहा है, जिसका पहला मैच 30 सितंबर को गुवाहाटी में शुरू होगा। भारत अपने घरेलू मैदान पर अपना पहला आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब जीतने की उम्मीद कर रहा है।

बांग्लादेश खिलाफ अफगानिस्तान टीम की घोषणा

● सीमित ओवर की सीरीज के लिए टीम में हुए 3 बड़े बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बांग्लादेश खिलाफ 2 अक्टूबर से यूएई में शुरू होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज के लिए टीम की घोषणा की।

टी20 एशिया कप 2025 के ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद अफगान चयनकर्ताओं ने तीन बड़े बदलाव किए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी , ऑलराउंडर गुलबदीन नैब और करीम जनत को टीम में जगह नहीं मिली। फारूकी की जगह लंबे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बशीर अहमद को टीम में शामिल किया गया। वह अफगानिस्तान के लिए पदार्पण करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अंडर-19 स्तर पर अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व किया है और पांच लिस्ट ए और 14 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने 38.16 की औसत से 12 टी20 विकेट लिए हैं।

इस सूची में एक और अनकैप्ड खिलाड़ी 18 वर्षीय शीर्ष क्रम बल्लेबाज वफीउल्लाह तरखिल हैं। अफगानिस्तान की बल्लेबाजी टीम को जूझना पड़ा है और 2026 के टी20 विश्व कप से पहले वे अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेंगे। तरखिल ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 28.35 की औसत और 145.95 के स्ट्राइक रेट से 794 रन बनाए हैं।

उनके नाम पांच टी20 शतक हैं। अल्लाह गजनफर और रहमत शाह को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। वे वनडे टीम का हिस्सा बने रहेंगे।

● अफगानिस्तान टी20 टीम:

राशिद खान (कप्तान), इब्राहिम जादरान (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), मोहम्मद इशाक (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, वफीउल्लाह तारखिल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, शराफुद्दीन अशरफ, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, बशीर अहमद, फरीद अहमद मलिक, अब्दुल्ला अहमदजई।

रिजर्व: एएम गजनफर और रहमत शाह।

● अफगानिस्तान वनडे टीम:

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उप-कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांगेयालिया खारोटे, एएम गजनफर, अब्दुल्ला अहमदजई, बशीर अहमद, मोहम्मद सलीम सफी।

रिजर्व: बिलाल सामी और फरीदून दाऊदजई।

मेसी का धमाकेदार प्रदर्शन

इंटर मियामी ने यूनाइटेड को 3-2 से हराया

मियामी , एजेंसी। मियामी की जीत और दो गोलों के बाद मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज से एक गोल आगे निकल गए हैं और गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। मेजर लीग सॉकर में शनिवार रात खेले गए मुकाबले में लियोनेल मेसी ने शानदार खेल दिखाते हुए अपनी टीम इंटर मियामी को डी.सी. यूनाइटेड के खिलाफ 3-2 से जीत दिलाई। अर्जेंटीनी स्टार ने इस मैच में एक असिस्ट और दो गोल किए।

पहले हाफ में असिस्ट, दूसरे हाफ में दो गोल

पहले हाफ में मेसी ने 35वें मिनट में तादेओ एलेन्डे के गोल में असिस्ट किया और इंटर मियामी को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मेसी का इस सीजन का 12वां असिस्ट था, जो लीग में चौथे सबसे ज्यादा असिस्ट के बराबर है। दूसरे हाफ में डी.सी. यूनाइटेड ने क्रिश्चियन बेंटेके के गोल से स्कोर 1-1 कर दिया, लेकिन मेसी ने 66वें मिनट में शानदार गोल दागकर इंटर मियामी को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद 85वें मिनट में मेसी ने एक और गोल कर टीम की जीत लगभग पक्की कर दी। डी.सी. यूनाइटेड ने इंजरी टाइम में एक गोल जरूर किया, लेकिन स्कोर 3-2 पर ही रहा।

मेसी गोल्डन बूट रेस में सबसे आगे

मियामी की जीत और दो गोलों के बाद मेसी के इस सीजन में कुल 22 गोल हो गए हैं, जिससे वे नैशविल एससी के सैम सर्रिज से एक गोल आगे निकल गए हैं और गोल्डन बूट रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए नूर और मुजीब को मिले डिमेरिट अंक

दुबई, एजेंसी। अफगानिस्तान के स्पिनर नूर अहमद और मुजीब उर रहमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 का उल्लंघन करने पर एक-एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया। यह घटना गुरुवार को अबु धाबी में एशिया कप में श्रीलंका के खिलाफ मैच के दौरान हुई। नूर अहमद को आर्टिकल 2.8 का उल्लंघन करते पाया गया, जिसका मतलब है अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाना। जबकि मुजीब पर आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन करने का आरोप लगा, जो क्रिकेट उपकरण, कपड़े, ग्राउंड उपकरण या फिटिंग्स का दुरुपयोग करने से संबंधित है। मुजीब ने मैच के दौरान अपने तौलिये से स्टंप तोड़ दिए थे। नूर ने श्रीलंका की पारी के 16वें ओवर में असहमति जताई थी, जब अंपायर ने उनकी एक गेंद को वाइड करार दिया था। मैदान पर मौजूद अंपायर आसिफ याकूब और वीरेंद्र शर्मा, तीसरे अंपायर फैसल अफरीदी और चौथे अंपायर रोहन पंडित ने आरोप लगाए। दोनों खिलाड़ियों ने अपने अपराध स्वीकार कर लिए और मैच रेफरी रिची रिचडर्सन द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। गौर है कि अफगानिस्तान का एशिया कप अभियान श्रीलंका से छह विकेट से हारने के बाद समाप्त हो गया। उस मैच में नूर और मुजीब ने एक-एक विकेट लिया था।

पीकेएल-12: अंतिम रेड पर नीरज को लपक पटना पाइरेट्स ने दबंग दिल्ली केसी का विजय रथ रोका

जयपुर, एजेंसी। दबंग दिल्ली केसी का लगातार छह मैचों से चला आ रहा विजय रथ आखिरकार रुक गया है। सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शनिवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 43वें मुकाबले में तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने अंतिम रेड में नीरज नरवाल को लपक 33-30 के अंतर से मैच जीत लिया। दिल्ली को पहली हार मिली जबकि पटना को सात मैचों में दूसरी जीत मिली।

एक समय 12 अंक से पीछे चल रही पटना की जीत में अंकित (12) का अहम योगदान रहा। उन्होंने मैच में पटना की वापसी कराई और फिर स्कोर बराबर भी किया। दिल्ली के लिए आशू मलिक ने 6 अंक लिए जबकि नीरज नरवाल ने 8 अंक जुटाए। पटना के लिए कप्तान अंकित ने डिफेंस में 6 अंक जुटाए। दिल्ली ने अच्छी शुरुआत करते हुए तीन मिनट में ही 4-1 की लीड बना ली थी लेकिन सुधाकर ने फजल का शिकार कर फासला दो का कर दिया।

फिर अजिंक्य को लपक अंकित ने स्कोर 3-4 कर दिया। सौरव ने मिलन को लपका तो अयान ने डिफेंस में हाथ साफ करते हुए नीरज का शिकार कर स्कोर 4-6 कर दिया। इस बीच दिल्ली ने अयान को लपका और फिर अजिंक्य ने डू ओर डाई रेड पर अंक लेकर 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 8-4 कर दिया। ब्रेक के बाद सुधाकर ने एक अंक लिया तो नीरज ने दिल्ली को दो अंक दिला दिए। संदीप और सुरजीत ने हालांकि अगली रेड पर सुधाकर को लपक लिया लेकिन अंकित ने अजिंक्य का शिकार कर स्कोर 6-11 किया। फिर सुरजी ने अकेले दम पर मिलन को लपक लीड फिर दोगुना कर दी। इस

बीच आशू ने दो अंक लेकर पटना को दो खिलाड़ियों तक सीमित कर दिया।

अगली रेड पर नीरज ने हालांकि उन्हें रिवाइव करा लिया। फिर नीरज ने ही पटना को आलआउट की ओर धकेला और फिर सुरजीत ने हाफटाइम से ठीक पहले आलआउट लेते हुए दिल्ली को 19-10 की लीड दिला दी। ब्रेक के बाद दिल्ली ने लगातार दो अंक लेकर पकड़ मजबूत की। इस बीच सौरव ने अयान को लपक स्कोर 22-11 कर दिया। इस बीच अंकित ने डू ओर डाई रेड पर सौरव का शिकार कर लिया लेकिन अजिंक्य ने मिलन को आउट कर हिसाब बराबर किया। दिल्ली का डिफेंस अयान को नहीं चलने दे रहा था लेकिन डिफेंस ने हाथ खोल दिए थे। नवदीप ने अजिंक्य को लपक लिया। पिछली रेड पर नीरज को आउट करने वाले अंकित ने अगली दो रेड पर सुरजीत और फजल को आउट कर स्कोर 16-25 कर दिया। फिर डिफेंस ने नीरज को लपक दिल्ली को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। अंकित ने इसके बाद डू ओर डाई रेड पर संदीप का शिकार कर दिल्ली को आलआउट की ओर धकेला।

अंकित ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ दिल्ली को आलआउट कर स्कोर 22-26 कर दिया। आलइन के बाद आशू ने नवदीप को बाहर किया। इस बीच अंकित ने बोनस लिया और फिर आशू ने दो अंक की रेड क साथ स्कोर 29-23 कर दिया। फिर अंकित के बोनस के बाद पटना के डिफेंस ने अजिंक्य को लपक फासला 5 का कर दिया। फिर अंकित ने सौरव का शिकार कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर हालांकि वह लपक लिए गए।